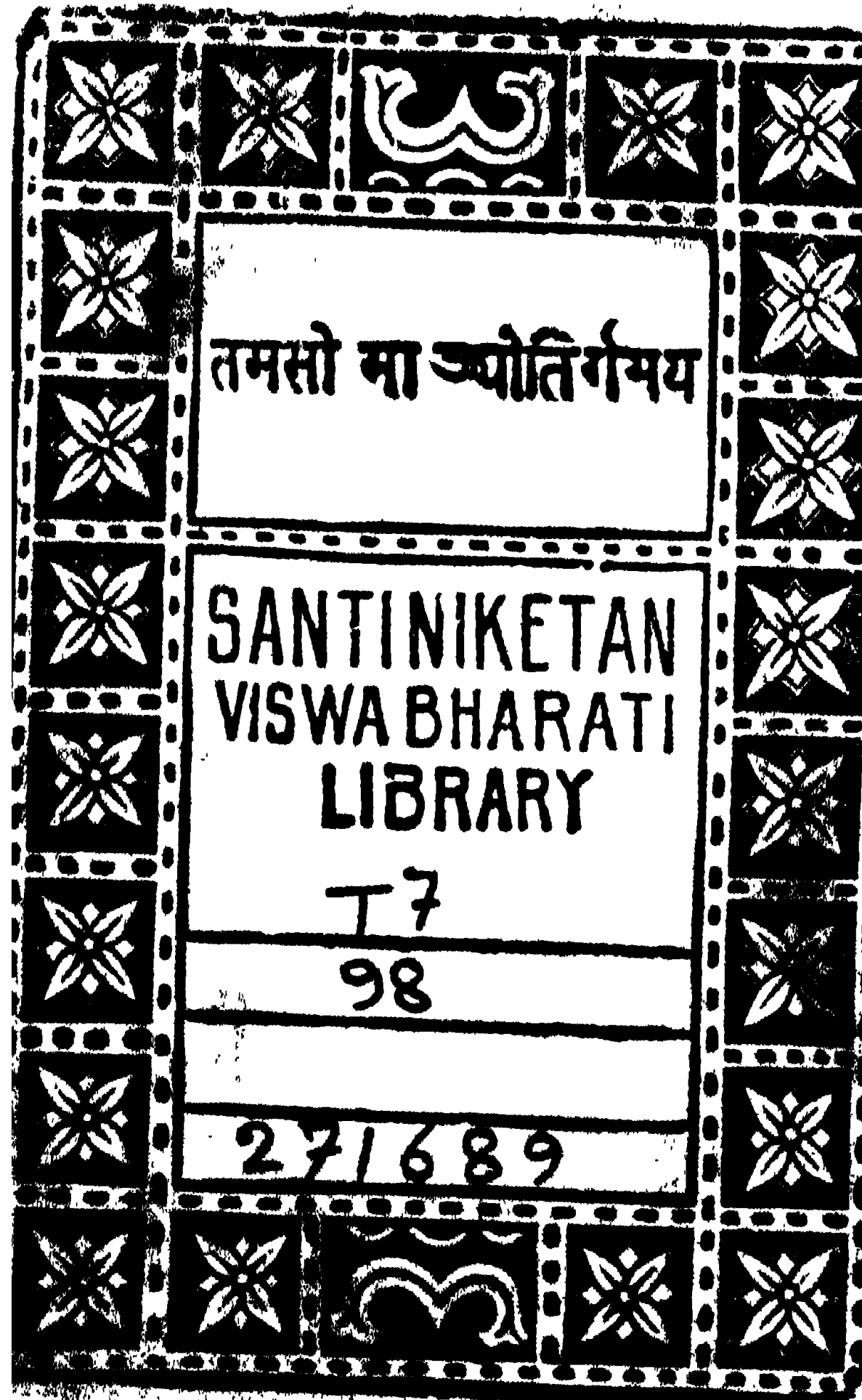


# স্বরচিতান

ষট্‌পঞ্চাশত্তম খণ্ড

বসিষ্টদ্ব্যর্থচাক্ষুঃ



तमसो मा ज्योतिर्गमय

SANTINIKETAN  
VISWA BHARATI  
LIBRARY

T7

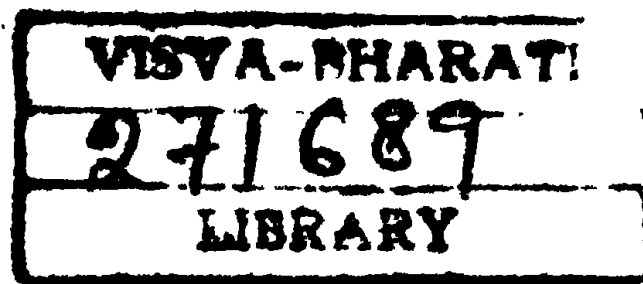
98

271689

ষট্‌পঞ্চাশত্তম খণ্ড

স্বরবিতান

রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর



বিষ্ণুখান্ডী গ্রন্থবিভাগ  
কলিকাতা

ଅରଳିପିକାର

ଦିନେନ୍ଦ୍ରନାଥ ଠାକୁର, ଅନାଦିକୂମାର ଦକ୍ଷିଣୀୟ, ବାମନ ଶିରୋଦକର  
ଶ୍ରୀନାଥଦେବ ଘୋଷ, ଅଧୀରଚକ୍ର କର, ଶ୍ରୀକୃଷ୍ଣକୂମାର ଦାସ

ପ୍ରକାଶ ଆଶ୍ୱିନ ୧୩୬୫

ପୁନର୍ମୁଦ୍ରଣ ଜ୍ୟେଷ୍ଠ ୧୩୭୨

ସଂସ୍କରଣ ଆଶ୍ୱିନ ୧୩୭୭

ପୁନର୍ମୁଦ୍ରଣ ପୌଷ ୧୩୮୨

ସ୍ରାବଣ ୧୩୯୦ : ୧୩୯୫ ଶକ

© ବିଶ୍ୱଭାରତୀ

ପ୍ରକାଶକ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥ ଭୌମିକ

ବିଶ୍ୱଭାରତୀ । ୬ ଆଚାର୍ଯ୍ୟ ଜଗନ୍ନାଥ ବନ୍ଧୁ ରୋଡ । କଲିକାତା ୧୭

ମୁଦ୍ରକ ଶ୍ରୀନିହାର୍ଯ୍ୟ ମିତ୍ର

ବୋଧି ପ୍ରେସ । ୫ ଶଙ୍କର ଘୋଷ ଲେନ । କଲିକାତା ୬

অভয় হাও তো	৩৩
আনন্দগান উঠুক তবে বাজি	২৮
আমি তারেই জানি তারেই জানি	৩৩
এখনো কেন সময় নাহি হল	১০
এবার বুঝি ভোলায় বেলা হল	১৫
এসো এসো ওগো স্তামছারায়ন দিন	৫০
ওগো জলের রানী	৫২
ওগো, তোমার চক্ষু দিয়ে মেলে সত্যদৃষ্টি	৪৩
কত কাল রবে বল'	৬৪
কমলবনের মধুগরাজি	২৩
কী জানি কী ভেবেছ মনে	৬৫
চলেছে ছুটিয়া পলাতক হিরা	৬৬
তুমি খুশি থাকো আমার পানে	২৫
তোরা যে যা বলিস তাই	৩৬
দিনের বেলায় বাঁশি তোমার	১৩
দেখব কে তোর কাছে আসে	৬৭
নয়ন ছেড়ে গেলে চলে	১৭
পথের শেষ কোথায়	৪০
পাছে চেয়ে বসে আমার মন	৬৮
বড়ো থাকি কাছাকাছি	৬৯
ব্যর্থ প্রাণের আবর্জনা পুড়িয়ে ফেলে	৬
ভালোবেসে, সখী, নিভৃতে বতনে	৫৭
মনোমন্দিরহৃদয়ী	৬০
রাজরাজেন্দ্র অর অরতু অর হে	৪৫
স্বর্গে তোমায় নিয়ে যাবে উড়িয়ে	৭০
স্বপ্ন-পারের ডাক শুনেছি	২০
হে আকাশবিহারী-নীলদবাহন জল	৪৭
হে মহাত্মা, হে ব্রহ্ম	৫



হে মহাক্ষুধ, হে রুদ্র, হে ভয়ঙ্কর,

ওহে শঙ্কর, হে প্রলয়ঙ্কর ।

হোক জটানিঃসূত অগ্নিভূজঙ্গম -দংশনে জর্জর স্থাবর জঙ্গম,

ঘন ঘন ঝন ঝন ঝননন ঝননন পিনাক টঙ্করো ॥

[সর্গা]

II গা -১ গা গা | গা -১ সা না I ধনা -১ পা -১ | -মা -১ মা মা I  
হে • ম হা হৃ ক্ ধ হে কৃ• দ্ জ • • • হে ভ

I মা -১ মা মা | -১ -১ মা মা I মগা -পা পা পা | পা -১ ধা না I  
য ঙ্ ক র • • ও হে শ ঙ্ ক র হে • প্র ল

I মধা -সা না ধপা | -১ -১ -১ -১ I সা -রা -গা -মা | -পা -ধা -না -সা I [ ] I  
য ঙ্ ক র • • • • হে • • • • • • • •

-১ -১ -১ -১ II ক্ষা -ধা পা পা | পনা -ধা না না I সা -১ না সা | সা -১ সা সা I  
• • • • হো ক্ জ টা নিঃ সৃ স্ত ত অ গ্নি ভূ জ ঙ্ গ ম

I নসা -ধা ধা ধা | সা -১ সা নরা I সা -১ না সা | ধা -১ পা পা I  
দ • ঙ্ শ নে জ র্ জ র • হা • ব র জ ঙ্ গ ম

I মা মা মা মা | পা পা পা পা I পা পা পা পা | পা পা পা পা I  
ঘ ন ঘ ন ঝ ন ঝ ন ঝ ন ন ন ঝ ন ন ন

I ধা না -১ সা | ধনা -১ ধা পা I সা -রা -গা -মা | -পা -ধা -না -সা II [ ] II  
পি না • ক ট • ঙ্ ক রো হে • • • • • • • •

ব্যর্থ প্রাণের আবর্জনা পুড়িয়ে ফেলে আগুন আলো ।  
 একলা রাতের অন্ধকারে আমি চাই পথের আলো ॥  
 দুন্দুভিতে হল রে কার আঘাত গুরু,  
 বুকের মধ্যে উঠল বেজে গুরুগুরু—  
 পালায় ছুটে সুপ্তিরাতের স্বপ্নে-দেখা মন্দ ভালো ॥  
 নিরুদ্দেশের পথিক আমায় ডাক দিলে কি—  
 দেখতে তোমায় না যদি পাই নাই-বা দেখি ।  
 ভিতর থেকে ঘুচিয়ে দিলে চাওয়া পাওয়া,  
 ভাবনাতে মোর লাগিয়ে দিলে ঝড়ের হাওয়া,  
 বজ্রশিখায় এক পলকে মিলিয়ে দিলে সাদা কালো ॥

II	সা	-১	সা		রা	রা	-১	I	গা	গা	-১		গা	গা	-১	I
	ব্য	ব	থ	প্রা	ণে	ব	অ	ব	ব	জ	না	•				
I	মা	পা	পা		পা	পা	-১	I	ধা	ধা	-সাঁ		সাঁ	সাঁ	-১	I
	পু	ড়ি	য়ে	ফে	লে	•	অ	গু	ন	আ	লো	•				
I	-১	-১	-১		-১	-১	-না	I	ধা	ধা	-সাঁ		না	ধপা	-১	I
	•	•	•	•	•	•	অ	গু	ন	আ	লো	•				
I	-১	-১	-১		-১	-১	-১	I	পদা	-১	দা		দা	দা	-১	I
	•	•	•	•	•	•	এ	ক	লা	রা	তে	ব				
I	দা	-১	পা		মপা	-দপা	-১	I	মগা	-১	গা		গা	গা	-মা	I
	অ	ব	থ	কা	••	•	রে	•	অ	মি	চা	ই				
I	মা	মা	-পা		পা	পা	-১	I	-১	-১	-১		-১	-১	-১	I
	প	থে	ব	আ	লো	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	



I গঙ্গা    গা    -১ | গা    গা    -১ I -১    -১    -১ | -১    -১    -না I  
 আ•    ও    ন্    আ    লো•    •    •    •    •    •    •

I ধা    ধা    -সাঁ | না    ধপা    -১ I -১    -১    -১ | -১    -১    -১ II  
 আ    ও    ন্    আ    লো•    •    •    •    •    •    •

II { গঙ্গা    -১    গা    | গা    গা    -১ I গা    গা    -১ | গা    গা    -১ I  
       হ    ন্    হ    ভি    তে    •    হ    ল    •    বে    কা    ব্

I গা    না    -রাঁ | রাঁ    গা    -১ I -১    -১    -১ | -১    -১    -১ I  
 আ    ধা    ত্    ও    ক    •    •    •    •    •    •

I পা    পা    -দা | দা    -১    দা I দা    -১    দা | দা    দা    -১ I  
 বু    কে    ব্    ম    ধ্    ধে    উ    ঠ্    ল    বে    জে    •

I দা    দা    -১ | দা    দা    -১ I পা    পদা    -গা | দা    পা    -১ I  
       ও    ক    •    ও    ক    •    ও    ক •    •    ও    ক    •

I -১    -১    -১ | -১    -১    -১ } I গা    গা    -জাঁ | জাঁ    জাঁ    -১ I  
       •    •    •    •    •    •    পা    লা    ব্    ছু    টে    •

I রাঁ    -১    জাঁ | রাঁ    জাঁ    -রাঁ I গা    -না    রাঁ | গা    গা    -১ I  
       হ    প্    ভি    রা    তে    ব্    ব    প্    মে    দে    ধা    •

I গা    -না    রাঁ | রাঁ    গা    -১ I -১    -১    -১ | -পা    -১    -ধা I  
       ম    ন্    দ    ভা    লো    •    •    •    •    •    •

I গঙ্গা    গা    -১ | গা    গা    -১ I -১    -১    -১ | -১    -১    -না I  
 আ    ও    ন্    আ    লো    •    •    •    •    •    •

I ধা    ধা    -সাঁ | না    ধপা    -১ I -১    -১    -১ | -১    -১    -না II  
 আ    ও    ন্    আ    লো•    •    •    •    •    •    •

II { মা মা -পা | পা পা -১ I পা -১ -ধা | ধা -না -১ I  
নি ক দ্ দে শে য় প . . থি . .

I -১ -১ -১ | না নধা -পা I পা -১ ধা | না ধপা -১ I  
. . ক আ মা. য় ডা ক্ দি লে কি .

I -১ -১ -১ | -১ -১ -১ I দা -১ দা | দা পা -১ I  
. . . . . দে য়্ তে তো মা য়্

I মা -১ -১ | পা দা -পা I যগা -১ -১ | -১ -১ -মা I  
না . . য দি . পা . . . . ই

I পা -না না | ধনা ধপা -১ } I -১ -১ -১ | -১ -১ -১ I  
না ই বা দে. থি . . . . .

I { পর্সা সর্সা -১ | সর্সা সর্সা -১ I সর্সা সর্সা সর্সা | সর্সা সর্সা -১ I  
তি ত য় থে কে . য়্ চি য়ে দি লে .

I সর্সা না -র্সা | র্সা সর্সা -১ I -১ -১ -১ | -১ -১ -১ I  
চাও যা . পাও যা . . . . .

I পা -১ পা | পা পা -১ I পা পা পা | পা পা -১ I  
ভা ব্ না তে মো য়্ লা গি য়ে দি লে .

I পা পা -ধা | ধা না -১ I -১ -১ -১ | (-পা -১ -ধা) } I -১ -১ -১ I  
ঝ ড়ে য়্ হাও রা . . . . .

I সর্সা -১ জর্সা | জর্সা জর্সা -১ I র্সা -১ জর্সা | র্সা জর্সা -র্সা I  
ব ক্ ক্ লি থা য়্ এ ক্ প ল কে .

I ମା ନା ଶ୍ରୀ | ଶ୍ରୀ ମା -1 I ମା ନା -ଶ୍ରୀ | ଶ୍ରୀ ମା -1 I  
 ବି ଲି ଘେ ବି ଘେ • ନା ନା • କା ଘୋ •

I -1 -1 -1 | -ମା -1 -ସା I ମା ମା -1 | ମା ମା -1 I  
 • • • • • • ସା ଓ ସ୍ ସା ଘୋ •

I -1 -1 -1 | -1 -1 -ନା I ସା ସା -ମା | ନା ସମା -1 I  
 • • • • • • ସା ଓ ସ୍ ସା ଘୋ •

I -1 -1 -1 | -1 -1 -1 II II  
 • • • • • •

এখনো কেন সময় নাহি হল, নাম-না-জানা অতিথি—  
 আঘাত হানিলে না ছুয়ারে, कहিলে না 'দ্বার খোলো' ॥  
 হাজার লোকের মাঝে রয়েছি একেলা যে হয়—  
 এসো আমার হঠাৎ-আলো পরান চমকি তোলো ॥  
 আঁধার বাধা আমার ঘরে, জানি না কাঁদি কাহার তরে  
 চরণসেবার সাধনা আনো, সকল দেবার বেদনা আনো—  
 নবীন প্রাণের জাগরমন্ত্র কানে কানে বোলো ॥

II মা -১ -পা | পা -সাঁ | -গা -সাঁ I গা -দা -পা | দা -১ | পা -দা I  
 এ . . ধ . . . নো . . কে . . ন . .

I মা পা -দা | মা -গা | দা -পা I মা -জা -মা | জা -ঝা | -সা -১ I  
 স ম র্ না . হি . চ . . ল . . .

I সা -১ ঝা | জা -১ | মা -পমা I জা -মা -জা | ঝা -১ | সা -১ I  
 না ম্ না জা . না . . অ . . তি . ধি .

I সজা জা জা | জা জরা | জা -১ I সজা -১ জা | জা -রা | জা -মা I  
 আ . বা ত হা নি . লে . না . হু রা . রে .

I মা মপা মা | সজা -ঝা | সা -১ I সা -১ -ঝা | ঝা -জা | -১ -ঝসা I  
 ক হি লে না . ধা র্ খো . . লো . . .

I সা -১ ঝা | জা -১ | মা -পমা I জা -মা -জা | ঝা -১ | সা -১ II  
 না ম্ না জা . না . . অ . . তি . ধি .

-১ II দা দা দা | গা -১ | সা -১ I সা -ঝা -গা | সা -১ | -দা -১ I  
 . হা জা র লো . কে . মা . . বে . . .

I দা দা গা | সা -খা | জা -সা I সা -খা -গা | সা -১ | -দা -১ I  
ব রে হি আ • কে • লা • • বে • • •

I মা -দা -গা | -সা -খা | -খজা -১ I -সখা -১ -গা | -সা -১ | -১ -১ I  
হা • • • • • • • • • • •

I সা -জা জা | খা -১ | সা -১ I খা খা -সা | খা -১ | সা -গা I  
এ • সো আ • মা ব হ ঠা ৭ আ • লো •

I গা গসা গা | দা দা | পা -১ I পা -১ -দা | গা -১ | -১ -১ I  
প রা• ন চ ম কি • তো • • লো • • •

I সা -১ খা | জা -১ | মা -পমা I জা -মা -জা | খা -১ | সা -১ II  
না ম্ না জা • না •• অ • • ডি • ধি •

-১ II { সা সা সা | সা -১ | সা -রা I জা জমা মা | মা -১ | মা -১ I  
• আ ধা ব বা • ধা • আ মা ব ব • রে •

I জমা মা পা | মা -গা | -দা -পা I খজা -১ -১ | -১ -১ | -১ -১ I  
জা নি না কা • • • দি • • • • •

I জমা মা মা | জা -খা | সা -রা I জা জমা মা | জা -খা | সা -১ } I  
কা হা ব ত • রে • জা নি না কা • দি •

I দা দা মা | দা -১ | দা -গা I গা সা সা | সখা -গা | সা -১ I  
চ ব ৭ সে • বা ব সা ধ না আ• • নো •

I সা খজা জা | খা -১ | সা -খা I গা সা সখা | গসা -১ | গা -দা I  
স ক ল দে • বা ব বে দ না আ • নো •

I মা -দা -ণা | -সাঁ -খাঁ | -জাঁ-ণা I সাঁ -ৱা -ৱা | -ৱা -ৱা | -ৱা -ৱা I  
আ . . . . . বো . . . . .

I গঁজাঁ জাঁ জাঁ | খাঁ -ৱা | সাঁ সাঁ I সাঁ গঁখাঁ সাঁ | গাঁ-দা | দা -পা I  
ন বী ন এ . . . . . গ ব ব ব .

I পা-দা গা | গাঁ-দা | পা -ৱা I পা -ৱা -দা | দা -গা | -ৱা -ৱা I  
কা . . . . . মো . . . . .

I সা -ৱা খা | জা -ৱা | মা -পমা I জা -মা -জা | খা -ৱা | সা -ৱা II II  
না য় না জা . . . . . ভি . . . . .

দিনের বেলায় বাঁশি তোমার বাজিয়েছিলে অনেক সুরে—

গানের পরশ প্রাণে এল, আপনি তুমি রইলে দূরে ॥

শুধাই যত পথের লোকে ‘এই বাঁশিটি বাজালো কে’—

নানান নামে ভোলায় তারা, নানান দ্বারে বেড়াই ঘুরে ॥

এখন আকাশ স্নান হল, ক্লান্ত দিবা চক্ষু বোজে—

পথে পথে ফেরাও যদি মরব তবে মিথ্যা খোঁজে ।

বাহির ছেড়ে ভিতরেতে আপনি লহো আসন পেতে—

তোমার বাঁশি বাজাও আসি আমার প্রাণের অন্তঃপুরে ॥

রা -গা II সা -গা -১ মা । পা -১ না -ধনা I সা -না -র্গা র্গা । সা -না পা ধা I  
দি • নে • ব্ বে লা র্ বা •• শি • • তো মা ব্ বা জি

I গা -পা -১ মা । মা -১ গা -মা I রা -পা -১ ক্ষা । পা -১ না -১ I  
য়ে • • চি লে • অ • নে • ক্ সু রে • গা •

I না -১ -১ না । না -১ না -ধনা I সা -না -র্গা সর্না । পা -১ পা -ধা I  
নে • ব্ প র ন্ প্রা •• পে • • এ • ল • অ প্

I ধা -সা -১ গধা । সর্গা -ধা পা -ধা I মগা -পা -১ মা । গা -মা রা -গা II  
নি • • ছু • মি • • ব ই লে • • • দু রে • “দি •”

পা -১ II পা -না -১ না । না -১ না -সা I সা -১ -১ সর্না । র্গা -১ পা -সা I  
ভ • ধা • ই ব ভ • প • থে • ব্ লো • কে • এ ই

I সা -১ -১ সর্না । র্গা -১ সা -না I ধা -সা -১ সা । না -১ সা -১ I  
বা • • মি • টি • • বা • জা • • লো কে • না •

I সাঁ-গাঁ -১ রাঁ | সাঁ -১ সাঁ -না I ধাঁ-সাঁ -১ সাঁ | না-পাঁ পা -ধা I  
না • ম্ না বে • ভো • না • য়্ তা রা • না •

I ধাঁ-সাঁ -১ গধা | সঁগা -ধা পা -ধা I গাঁ-পাঁ -১ মা | গা -মা রা -গা II  
না • ম্ ঘা • য়ে • বে • ডা • ই য়্ য়ে • “দি •”

সাঁ -১ II { সাঁ-গাঁ -১ গা | গা -১ গা -১ I গাঁ-মা -১ মা | মা -১ মা -১ I  
এ • খ • ন্ আ কা শ্ য়া • ন • • হ ল • ক্রা ম্

I মা -গা -পা পক্ষা | পা -১ পা -ক্ষা I পা -ক্ষা -ধা পক্ষা | ধপা -১ মা -১ I  
ত • • দি • বা • চো ক্ য়্ • • বো • জে • • প •

I মা -১ -১ মা | মা -১ মা -১ I মা -গা -পা পক্ষা | পা -১ না -১ I  
খে • • প খে • ফে • রা • ও য় • দি • ম য়্

I সাঁ -না -গাঁ রাঁ | সাঁ -না না -ক্ষা I ধপা -ক্ষা -পা মা | গা -১ ( সাঁ -১ ) } I পা -১ I  
ব • • ত বে • মি ৭ ধা • • • য়োঁ জে • এ • বা •

I পা -না -১ না | না -১ না -সাঁ I সাঁ -১ -১ সঁনা | রঁসাঁ -১ পাঁ-সাঁ I  
হি • য়্ হে ফে • ভি • ত • • য়ে • তে • • আ প্

I সাঁ -১ -১ সঁনা | রঁসাঁ -১ সাঁ -না I ধাঁ-সাঁ -১ সাঁ | না -১ সাঁ -১ I  
নি • • ল হো • আ • স • ম্ পে তে • ভো •

I সাঁ-গাঁ -১ রাঁ | সাঁ -১ সাঁ -না I ধাঁ-সাঁ -১ সাঁ | না -১ পা -ধা I  
মা • য়্ বাঁ লি • বা • জা • ও আ সি • আ •

I ধাঁ-সাঁ -১ গধা | সঁগা -ধা পা -ধা I গাঁ-পাঁ -১ মা | গা -মা রা -গা II II  
মা • য়্ ঘা • য়ে • য়্ অ য়্ ত • • পু য়ে • “দি •”



এবার বুঝি ভোলার বেলা হল—

ক্ষতি কী তাহে যদি বা তুমি ভোলো ॥

যাবার রাতি ভরিল গানে

সেই কথাটি রহিল প্রাণে,

ক্ষণেক-তরে আমার পানে

করুণ আঁখি তোলো ॥

সন্ধ্যাতারা এমনি ভরা সাঁঝে

উঠিবে দূরে বিরহাকাশমাঝে ।

এই-যে সুর বাজে বীণাতে

যেখানে যাব রহিবে সাথে,

আজিকে তবে আপন হাতে

বিদায়দ্বার খোলো ॥

সা -১ II রা -মা -১ গা | রা -১ রা -১ I রা -গা -মা মগা | পমা -গা রগা -মগা I  
এ • বা • বু বু ঝি • ভো • লা • বু বে • লা • • হ • •

I রা -১ -১ -১ | -১ -১ -১ -১ I সাঁ রাঁ সাঁ -১ | গা -১ গাঁঃ -ধঃ I  
ল • • • • • ক্ তি কী • তা • হে •

I পা ধা পা -১ | মা -১ মা -গা I রগা -মগা রা -১ | -১ -১ সা -১ II  
য দি বা • তু • মি • ভো • • • লো • • • "এ •"

[রাঁ -সাঁ সাঁ -না]

II {না -১ না -১ | না -১ না -সাঁ I সাঁ সাঁ সাঁ -১ | রঁসাঁ -না সাঁ -১ I  
যা • বা বু রা • তি • ভ রি ল • গা • • নে •

I পা -সাঁ -১ সাঁ | সাঁ -১ সাঁ -১ I না সাঁ নসাঁ -রাঁ | রাঁ -১ রাঁ (-জাঁ)) I -১ I  
সে • ই ক ণা • টি • র হি ল • • প্রা • ণে • •

I রা মা ঙ্গা -১ | রা -১ সা -১ I সা রা সা -১ | গা -১ গা -খা I  
ক নে ক • ভ • রে • আ মা ব • গা • নে •

I পা ধা পা -১ | মা -১ মা -গা I রগা -মগা রা -১ | -১ -১ সা -১ II  
ক ক গ • আ • ধি • তো • • • লো • • • "এ •"

II সা -১ -১ সা | রা -১ রা -১ I রা গা মা -১ | মা -১ মা -গা I  
স • নু শা তা • রা • এ ম নি • ভ • রা •

I পা -ক্ষা পা -১ | -১ -১ -১ -১ I পা পা পা -ক্ষা | পক্ষা -খা পা -মা I  
সা • বে • • • • • উ টি বে • দু • • রে •

I মা মা মা -খা | পা মগা মা -রা I সা -১ -১ -১ | -১ -১ -১ -১ I  
বি ব চা • কা শ • মা • বে • • • • •

[রা সা সা -না]

I {না -১ না -১ | না -১ না নসা I ধসা -১ সা -না | রসা -১ -১ -১ I  
এ ই যে • হু ব বা জে • বী • • গা • তে • • •

I পা সা সা -১ | সা -১ সা -১ I না সা নসা -রা | রা -১ রা (-ঙা) } I -১ I  
যে খা নে • যা • ব • র হি বে • • সা • থে • •

I রা মা ঙ্গা -১ | রা -১ সা -১ I সা রা সা -১ | গা -১ গা -খা I  
আ লি কে • ভ • বে • আ প ন • হা • তে •

I পা -খা পা -১ | মা -১ -১ -গা I রগা -মগা রা -১ | -১ -১ সা -১ II II  
বি • দা ব্ দা • • হু খো • • • লো • • • "এ •"

নয়ন ছেড়ে গেলে চলে, এলে সকল-মাঝে—  
 তোমায় আমি হারাই যদি তুমি হারাও না যে ॥  
 ফুরায় যবে মিলনরাতি তবু চির সাথের সাথি  
 ফুরায় না তো তোমায় পাওয়া, এস স্বপনসাজে ॥  
 তোমার সুধারসের ধারা গহনপথে এসে  
 ব্যথারে মোর মধুর করি নয়নে যায় ভেসে ।  
 শ্রবণে মোর নব নব শুনিয়েছিলে যে সুর তব  
 তোমার বীণা থেকে বিদায় নিল, চিন্তে আমার বাজে ॥

II { পা পা -ণা | ণা সর্গা -ধা I পা -না -ধা | ণা: -ধণ: পধা I  
 ন য ন্ ছে ডে • গে • • লে •• চ •

I ণা -না -না | -না -না -না I ( গা -মা -পা | -ধা -পা -সী I  
 লে • • • • • এ • • • • •

I ণা -সর্গা -ধণা | ধা পমা গা I মা -ধা -না | গা -সী -না ) } I  
 লে •• •• স ক • ল মা • • বে • •

I না না -না | না না -না I না সী -না | ণা সী -সী I  
 তো মা য়্ আ মি • হা রা ই য় দি •

I ধা সর্গা -না | ধা পমা -গা I মা -ধা -না | গা সী -না I  
 তু মি • • হা রা • • না • • হা রা • •

I ধা -সর্গা -ধণা | ধা পমা -গা I মা -ধা -না | গা -সী -না II  
 না •• •• হা রা • • মা • • বে • •

II	গী	গী	-১		মী	পী	-মী	I	মী	মী	-গী		রী	সী	-১	I
	ফু	রা	য়্		য	বে	০		মি	ল	নু		রা	তি	০	
I	গী	না	-১		না	সী	-রী	I	গী	সী	গী		ধা	পমা	-গী	I
	ত	বু	০		চি	র	০		সা	থে	র		সা	ধি	০	
I	মা	ধা	-১		ধা	ধা	-গী	I	মা	ধা	-১		গী	-১	-১	I
	ফু	রা	য়্		না	তো	০		ফু	রা	য়্		না	০	০	
I	ধা	পা	-১		পা	-১	-ধা	I	ধা	পমা	-গী		মা	পা	-১	I
	ফু	রা	য়্		না	০	০০		তো	মা	য়্		পাও	রা	০	
I	না	না	-১		না	সী	-১	I	মা	-ধা	-১		গী	-সী	-১	II
	এ	স	০		স্ব	প	নু		সা	০	০		জে	০	০	
II	মা	পা	-১		পা	পা	-১	I	পা	ধা	-গী		ধা	পমা	-গী	I
	তো	মা	য়্		স্ব	ধা	০		র	সে	য়্		ধা	রা	০	
I	মা	পা	-১		পা	ধা	-গী	I	পা	ধা	-১		-১	-১	-১	I
	গ	হ	নু		প	থে	০		এ	সে	০		০	০	০	
I	না	না	-১		না	নপা	-না	I	না	সী	-১		না	সী	-রী	I
	বা	ধা	০		রে	মো	০		য়্	ম	ধু		য়্	ক	রি	০
I	ধা	সগা	-১		ধা	পমা	-গী	I	মা	পা	-১		-১	-ধা	-গী	I
	ন	য়	০		নে	বা	০		য়্	ভে	সে	০		০	০	
I	ধা	সগা	-১		ধা	পমা	-গী	I	মা	ধা	-১		-১	-১	-১	I
	গ	হ	০		নু	প	থে	০		এ	সে	০		০	০	

I গা গা -১ | মা পা -মা I ধর্মা পর্মা -গা | রা সা -১ I  
 প্র ব • গে মো স্ব ন ব • • ন ব •

I না না না | না সা -রা I ধা সগা -১ | ধা পমা -গা I  
 ত নি যে ছি লে • • যে সু • স্ব ত ব • •

I মা ধা -১ | ধা ধা -১ I ধা ধা -গা | ধা সগা -১ I  
 বী গা • ধে কে • বি দা য়্ নি ল • •

I -ধা -১ -গা | ধা পমা -গা I মা মা -ধা | ধা ধা -১ I  
 • • • তো মা • স্ব বী গা • • ধে কে •

I না -১ না | না র্সা -১ I মা -ধা -১ | গা -সা -১ II II  
 চি ২ তে আ মা • স্ব বা • • ছে • •

স্বপন-পারের ডাক শুনেছি, জেগে তাই তো ভাবি—  
 কেউ কখনো খুঁজে কি পায় স্বপ্নলোকের চাবি ॥  
 নয় তো সেথায় যাবার তরে, নয় কিছু তো পাবার তরে,  
 নাই কিছু তার দাবি—  
 বিশ্ব হতে হারিয়ে গেছে স্বপ্নলোকের চাবি ॥  
 চাওয়া-পাওয়ার বুকের ভিতর না-পাওয়া ফুল ফোটে,  
 দিশাহারা গন্ধে তারি আকাশ ভরে ওঠে ।  
 খুঁজে যারে বেড়াই গানে, প্রাণের গভীর অতল-পানে  
 যে জন গেছে নাবি,  
 সেই নিয়েছে চুরি করে স্বপ্নলোকের চাবি ॥

II মা মা -পা | পা পা -মা I পা -১ -ধা | না ধা -না I  
 ব প দ পা রে স্ব ডা • ক ত নে •

I ৭পা -১ -১ | না না -সাঁ I ধা -১ সাঁ | না ধপা -১ I  
 ছি • • ছে গে • তা ই তো তা বি• •

I পা -১ না | ধা না -ধপা I পা ধা -পা | পা ধা -পমা I  
 কে উ ক খ নো •• খুঁ ছে • কি পা • স্ব,

I মা -১ পা | পধা পা -১ I মপা ৭গা -১ | গা গা -মা I  
 ব প্ ন লো• কে স্ব চা• বি • ছে গে •

I পা -না না | ধনা ৭পা -১ II  
 ডা ই তো তা• বি •

-১ -১ -১ II পা -ধর্মা সী | সী সী -১ I না না -র্মা | সী র্ধর্মা -না I  
 • • • ন •য়্ জো সে ধা য়্ বা বা য়্ ত বে• •

I না -১ রী | সী র্ধর্মা -না I না না -র্মা | না ধপা -১ I  
 ন য়্ কি ছু তো• • পা বা য়্ ত বে• •

I পা -না না | না ধা -না I যধা যপা -১ | -১ -১ -১ I  
 না ই কি ছু তা য়্ দা বি • • • •

I পা -১ না | ধা নধা -পা I পা ধা পা | পা ধপা -না I  
 বি শ্ শ হ তে• • হা রি যে গে ছে• •

I মা -১ পা | পধা পা -১ I মপা যগা -১ | গা গা -মা I  
 য প্ ন লো• কে য়্ চা• বি • ছে গে •

I পা -না না | ধনা যপা -১ II  
 তা ই তো ভা• বি •

-১ -১ -১ II { সী সী -১ | রা রা -গা I মা পা -১ | মা গা -১ I  
 • • • চাও য়া • পাও য়া য়্ বু কে য়্ ভি ত য়্

I রা -১ গা | মা পা -ধা I মা পা -১ | -১ -১ -১ I  
 না • পাও য়া ফু ল্ ফো টে • • • •

I পা পা -দা | দা দা -গদা I পা -গা গা | যদা পা -১ I  
 দি শা • হা য়া •• গ য়্ যে ভা দি •

I মা পা -১ | পদা পা -১ I মপা যগা -১ | -১ -১ -১ } I  
 আ কা শ্ ত• যে • ও• ঠে • • • •

I	না	না	-সাঁ		সাঁ	সাঁ	-১	I	না	না	-সাঁ		সাঁ	সাঁ	-না	I
	ধু	ছে	•		যা	য়ে	•		বে	ড়া	ই		গা	নে•	•	
I	না	না	-সাঁ		সাঁ	সাঁ	-না	I	না	না	-সাঁ		না	ধপা	-১	I
	এ	ণে	য		গ	ভী•	য		অ	ত	ন		পা	নে•	•	
I	পা	পা	-না		না	ধা	-না	I	নধা	পা	-১		-১	-১	-১	I
	ষে	জ	য		গে	ছে	•		না	বি	•		•	•	•	
I	পা	-১	না		ধা	নধা	-পা	I	পা	ধা	-পা		পা	ধপা	-মা	I
	সে	ই	নি		য়ে	হে•	•		চু	রি	•		ক	য়ে•	•	
I	মা	-১	পা		পধা	পা	-১	I	মপা	মগা	-১		গা	গা	-মা	I
	ষ	প্	ন		লো•	কে	য		চা•	বি	•		ছে	গে	•	
I	পা	-না	না		ধনা	পা	-১	II	II							
	তা	ই	তো		ভা•	বি	•									



কমলবনের মধুপরাজি, এসো হে কমলভবনে ।

কী সুধাগন্ধ এসেছে আজি নববসন্তপবনে ॥

অমল চরণ ঘেরিয়া পুলকে শত শতদল ফুটিল,

বারতা তাহারি ছালোকে ভুলোকে ছুটিল ভুবনে ভুবনে ॥

এহে তারকায় কিরণে কিরণে বাজিয়া উঠিছে রাগিণী ;

গীতগুঞ্জন কুঞ্জনকাকলি আকুলি উঠিছে শ্রবণে ।

সাগর গাহিছে কল্লোলগাথা, বায়ু বাজাইছে শব্দ—

সামগান উঠে বনপল্লবে, মঙ্গলগীত জীবনে ॥

II { রপা পা মা | রমা জা রা | সা রা সরা | ন্সা -রজা রা I  
ক• ম ল ব• নে র ম ধু প• রা• •• জি

I ( প্া ধা সা | সা রা রসা | রসা রা -পা | মজা -রসা -রা ) } I  
এ সো হে ক ম ল• ভ• ব • নে• •• •

I রণা গা গধা | ধর্সনা -ধা পা | পা পা পা | পধা -মা পা I  
কী• হু ধা• গ•• ন্ ধ এ সে হে আ• • জি

I পমা পর্সা সর্সা | ধর্সা -গধা পা | মা পা -মপধপা | -মপা মজা -রসরা II  
ন• ব• ব• স• •ন্ ত প ব •••• •• নে •••

II না না না | না নর্সা ধনর্সা | সী সী সী | সী সর্না সী I  
অ ম ল চ র• গ•• যে রি রা পু ল• কে

I সর্না সী রী | রীজা রী সী | না সী -নর্সা | সর্না -১ -১ I  
শ• ত শ ত• দ ল হু টি •• ল • •

I ধা ধা ধা | ধা ধা গা | ধা ধগর্সা গা | ধা পা পা I  
বা ব তা তা হা রি ছা লো... কে ছু লো কে

I সা সা সা | রা রা রসা | রসা রা -পা | মজা -রসা -রা II  
ছু টি ল ছু ব নে° ছু° ব ° নে° .. °

II { মা পা পা | পমা পা -১ | মণা গা গা | ধা পা পা I  
এ হে তা র° কা র্ কি° র গে কি র গে

I মা পা মপধা | ধা ধগা পা | মা পা -ধপমপা | মজা -১ -১ I  
বা জি রা... উ টি° ছে রা গি ..... গী ° °

I জা জা জমা | -১ রা রা | রা রা রা | সা সা সা I  
গী ত ও ন্ জ ন কু জ ন কা ক লি

I রা মা মা | মা পা পধা | মা পা -ধপমপা | মজা -১ -১ } I  
আ কু লি উ টি ছে° প্র ব ..... গে ° °

I { না না না | না নর্সা ধনর্সা | সা -১ সা | সা সর্না সা I  
সা গ র গা হি° ছে... ক ল্ লো ল গা° ধা

I সর্না সা রা | রা -সা রর্মা | জা -১ -১ | জর্মা -রা -সা } I  
বা° য়ু বা জা ই ছে° শ ° উ° ব° ° °

I সর্না সর্না সা | -গা গা গা | ধা ধর্সা গর্সা | -পা ধা পা I  
সা° য° গা য় উ ঠে ব ন° প° ল্ ল বে

I সা -১ রা | রজা রা সা | রসা রা -পা | মজা -রসা -রা II II  
য উ° গ ল° গী ত কী° ব ° নে° .. °

তুমি খুশি থাকো আমার পানে চেয়ে চেয়ে  
 তোমার আঙিনাতে বেড়াই যখন গেয়ে গেয়ে ॥  
 তোমার পরশ আমার মাঝে সুরে সুরে বুকে বাজে,  
 সেই আনন্দ নাচায় ছন্দ বিশ্বভুবন ছেয়ে ছেয়ে ॥  
 ফিরে ফিরে চিত্তবীণায় দাও যে নাড়া,  
 গুঞ্জরিয়া গুঞ্জরিয়া দেয় সে সাড়া ।  
 তোমার আঁধার তোমার আলো ছুই আমারে লাগল ভালো—  
 আমার হাসি বেড়ায় ভাসি তোমার হাসি বেয়ে বেয়ে ॥

সা	সা	-১	II	সা	সা	-ধা		ধা	ধা	-১	I	-১	-১	-১		-নধা	-পা	-১	I
তু	মি	•		খু	শি	•		ধা	কো	•		•	•	•		••	•	•	
I	পনা	না	-১		ধা	ধা	-না	I	পধা	পা	-১		মগা	রা	-গা	I			
	আ	মা	বু	পা	নে	•			চে•	য়ে	•		চে•	য়ে	•				
I	সা	সা	-রা		রা	গা	-১	I	-১	-১	-১		পা	পা	-১	I			
	খু	শি	•		ধা	কো	•		•	•	•		তো	মা	বু				
I	পা	ধা	-সাঁ		সাঁ	সাঁ	-১	I	সাঁ	সাঁ	-১		না	ধা	-না	I			
	আ	ডি	•		না	তে	•		বে•	ড়া	ই		য	য	বু				
I	পনা	-১	-ধা		না	-১	-১	I	না	না	-১		ধা	ধা	-না	I			
	বে	•	•		ড়া	•	ই		গে	য়ে	•		গে	য়ে	•				
I	পধা	পা	-১		মগা	রা	-গা	I	সা	সা	-রা		রা	গা	-১	I			
	বে•	ড়া	ই		য•	য	বু		খু	শি	•		ধা	কো	•				
I	-১	-১	-১		সা	সা	-১	II											
	•	•	•		তু	মি	•												

পা পা -১ II { পা গা -১ | পা পা -ধা I ধর্সী সী -১ | সী সী -রা I  
 তো মা বৃ প র শ্ আ মা বৃ মা° ঝে • সু রে •

I সী -১ -১ | -রা -র্গী -রা I সী -১ -১ | সী সী -রা I  
 হৃ • • • • • রে • • • বু কে •

I সী -১ -১ | -রা -র্গী -রা I সী -১ -১ | (পা পা -১) } I -১ -১ -১ I  
 বা • • • • • জে • • • তো মা বৃ • • •

I গী -১ গী | রা -১ র্গী I সর্গী সী -১ | না -১ ধা I  
 সে হৈ আ ন নৃ দ • না° চা য্ ছ নৃ দ

I না -১ না | ধা ধা -না I পধা পা -১ | মগা রা -গা I  
 বি শ্ শ ডু ব নৃ চে° য়ে • ছে° য়ে •

I সা সা -রা | রা গা -১ I -১ -১ -১ | সা সা -১ II  
 ধু শি • ধা কো • • • "তু মি •"

-১ -১ -১ II { সা সা -১ | সা সা -রা I রা -১ গা | গা রা -গা I  
 • • • ফি রে • ফি রে • চি ৎ ত বী গা য্

I সা -১ রা | রা গা -১ I -১ -১ -১ | -১ -১ -১ I  
 দা ও য়ে না ডা • • • • •

I পা -১ ধা | সা না -১ I পা -১ -ধা | না ধা -না I  
 ও য্ জ় রি য়া • ও • নৃ জ় রি •

I ধপা -১ -১ | -ধা -না -ধপা I পনা -১ না | ধা ধা -না I  
 রা° • • • • • দে য্ সে সা ডা •

I ধা -১ পা | মগা রা -গা I সা -১ রা | রা গা -১ I  
 চি ৭ ত বী• গা য় দা ও যে না ডা •

I -১ -১ -১ | -১ -১ -১ } I { পা গা -১ | পা পা -ধা I  
 • • • • • তো মা য় আ ধা য়

I ধর্সাঁ সাঁ -১ | সাঁ সাঁ -১ I সাঁ -র্সাঁ -১ | রাঁ সর্সাঁ -র্গর্সাঁ I  
 তো• মা য় আ লো • হু ই • আ মা• ••

I র্ধর্সাঁ -১ -১ | -১ -১ -১ I সাঁ -১ রাঁ | সর্সাঁ -র্গর্সাঁ -১ I  
 রে • • • • • লা গ্ ল ভা• •• •

I র্ধর্সাঁ -১ -১ | -১ -১ -১ } I গাঁ গাঁ -১ | রাঁ রাঁ -সাঁ I  
 লো • • • • • আ মা য় হা সি •

I সর্সাঁ সাঁ -১ | না ধা -না I না না -১ | ধা ধা -না I  
 বে• ডা য় ভা সি • তো মা য় হা সি •

I পধা পা -১ | মগা রা -গা I সা সা -রা | রা গা -১ I  
 বে• যে • বে• যে • খু শি • থা কো •

I -১ -১ -১ | সা সা -১ II II  
 • • • "তু মি •"

আনন্দগান উঠুক তবে বাজি  
 এবার আমার ব্যথার বাঁশিতে ।  
 অশ্রুজলের ঢেউয়ের 'পরে আজি  
 পারের তরী থাকুক ভাসিতে ॥  
 যাবার হাওয়া ওই-যে উঠেছে, ওগো, ওই-ষে উঠেছে,  
 সারারাত্রি চক্ষে আমার ঘুম যে ছুটেছে ।  
 হৃদয় আমার উঠেছে তুলে তুলে  
 অকুল জলের অট্টহাসিতে—  
 কে গো তুমি দাও দেখি তান তুলে  
 এবার আমার ব্যথার বাঁশিতে ॥  
 হে অজানা, অজানা সুর নব  
 বাজাও আমার ব্যথার বাঁশিতে,  
 হঠাৎ এবার উজান হাওয়ায় তব  
 পারের তরী থাক-না ভাসিতে ।  
 কোনো কালে হয় নি যারে দেখা, ওগো, তারি বিরহে  
 এমন করে ডাক দিয়েছে, ঘরে কে রহে !  
 বাসার আশা গিয়েছে মোর ঘুরে,  
 বাঁপ দিয়েছি আকাশরাশিতে ।  
 পাগল, তোমার সৃষ্টিছাড়া সুরে  
 তান দিয়ে মোর ব্যথার বাঁশিতে ॥

II	গ	র	-১		স	স	-১	I	গ	স	-১		গ	ধ	-গ	I
আ	ব	ম্	দ	গা	ন	উ	ঠ	ক	ত	বে	•					
I	প	-১	-ধ		প	-১	-ধ	I	প	ধ	-১		প	স	-১	I
বা	•	•	জি	•	•	এ	বা	ব্	আ	মা	ব্					
I	প	ধ	-১		না	-১	না	I	স	-১	-১		-১	-১	-১	I
বা	ধ	ব্	বা	•	শি	তে	•	•	•	•	•					

I	না	-১	সাঁ	রী	সাঁ	-১ <sup>৪</sup>	I	না	সাঁ	-১	রী	সাঁ	-১ <sup>৪</sup>	I
	অ	শ্	ক্ষ	জ	লে	ব্		টেউ	য়ে	ব্	ণ	বে		•
I	না	সাঁ	-১	-১	-১	-১	I	ণা	ণা	-রী	সাঁ	ণা	-১	I
	আ	জি	•	•	•	•		ণা	রে	ব্	ত	রী	•	
I	ধা	পা	-১	মগা	-১	গা	I	মা	-১	-১	-পা	-ধা	-পা	II
	ধা	কু	ক্	ভা•	•	সি		ভে	•	•	•	•	•	
II	ধা	ধা	-১	ধা	ধা	-না	I	না	-১	সাঁ	রী	সাঁ	-১ <sup>৪</sup>	I
	যা	বা	ব্	হাও	য়া	•		ও	ই	য়ে	উ	ঠে	•	
I	না	-সাঁ	-১	ণা	ধা	-না	I	না	-১	সাঁ	রী	সাঁ	-১ <sup>৪</sup>	I
	হে	•	•	ও	গো	•		ও	ই	য়ে	উ	ঠে	•	
I	না	-সাঁ	-১	-১	-১	-১	I	মা	মা	-১	মা	-১	মা	I
	হে	•	•	•	•	•		সা	রা	•	রা	ং	জি	
I	মা	-১	পা	পা	পা	-১	I	পা	-১	ধা	পা	পা	-পা	I
	চো	ক্	খে	আ	মা	ব্		ব্	ম্	য়ে	ছু	টে	•	
I	ধা	-১	-১	-১	-১	-১	I	ধা	ধা	-১	ধা	ধা	-না	I
	হে	•	•	•	•	•		ক	দ	ব্	আ	মা	ব্	
I	না	-১	সাঁ	রী	সাঁ	-রী	I	না	সাঁ	-১	-১	-১	-১	I
	উ	ঠ্	হে	হ্	লে	•		হ্	লে	•	•	•	•	
I	ণা	ণা	-রী	সাঁ	ণা	-১	I	ধা	-১	পা	মগা	-১	গা	I
	অ	কু	ল্	জ	লে	ব্		অ	ট্	ট	হা•	•	সি	

I মা -১ -১ | -১ -১ -১ I সী -মা মা | মা মা -১ I  
 তে • • • • • কে • গো তু মি •

I মা -১ মা | মা মা -১ I মর্পা মা -১ | -জা -১ -১ I  
 দা ও দে খি তা ম্ তু • লে • • •

I মা জা -১ | রা সী -১ I না সী -ধা | না -১ না I  
 এ বা ব্ আ মা ব্ ব্য ধা ব্ বা • শি

I সী -১ -১ | -১ -১ -১ I না -১ সী | রা সী -১ I  
 তে • • • • • অ শ্ শ্র জ লে ব্

I না সী -১ | রা সী -১ I না সী -১ | -১ -১ -১ I  
 টেউ য়ে ব্ প য়ে • আ জি • • •

I গা গা -রা | সী গা -১ I ধা পা -১ | মগা -১ গা I  
 পা য়ে ব্ ত রী • ধা কু ক্ ভা • সি

I মা -১ -১ | -পা -ধা -গা II  
 তে • • • • •

II { সা -১ সা | রা রা -১ I রা গা -১ | গা গা -মা I  
 হে • অ জা না • অ জা • না সু ব্

I রা গা -১ | -১ -১ -১ I মা পা -১ | মা গা -১ I  
 ন ব • • • • • বা জা ও আ মা ব্

I মা ধা -১ | পা -গা গা I ধা -১ -১ | -১ -১ -১ I  
 ব্য ধা ব্ বা • শি তে • • • • •



I	ধা	ধা	-১		ধা	ধা	-না	I	না	সী	-১		রী	সী	-রীসী	I	
	হ	ঠা	৭		এ	বা	বু		উ	জা	বু		হাও	রা	• বু		
I	না	সী	-১		-১	-১	-১	I	ণা	ণা	-রী		সী	ণা	-১	I	
	ত	ব	•		•	•	•		পা	য়ে	বু		ত	বী	•		
I	ধা	-১	পা		মা	-গা	গা	I	মা	-১	-১		-১	-১	-১}	I	
	ধা	কু	না		ভা	•	সি		তে	•	•		•	•	•		
I	ধা	ধা	-১		ধা	ধা	-না	I	না	-১	সী		রী	সী	-১	I	
	কো	নো	•		কা	লে	•		হ	য়	নি		যা	রে	•		
I	না	সী	-১		{	ণা	ধা	-না	I	না	সী	-১		রী	-১	না	I
	দে	খা	•		ও	গো	•		তা	রি	•		বি	•	ব		
I	সী	-১	-১}		-১	-১	-১	I	মা	মা	-১		মা	মা	-১	I	
	হে	•	•		•	•	•		এ	ম	বু		ক	রে	•		
I	মা	-১	পা		পা	পা	-১	I	পা	ধা	-১		পা	ণা	ণা	I	
	ভা	কু	দি		য়ে	ছে	•		ঘ	রে	•		কে	•	ব		
I	ধা	-১	-১		-১	-১	-১	I	ধা	ধা	-১		ধা	ধা	-না	I	
	হে	•	•		•	•	•		বা	সা	বু		আ	শা	•		
I	না	সী	-১		রী	সী	-রীসী	I	না	সী	-১		-১	-১	-১	I	
	গি	য়ে	•		ছে	মো	• বু		যু	য়ে	•		•	•	•		
I	না	-রী	রী		সী	ণা	-১	I	ধা	পা	-১		মগা	-১	গা	I	
	ঝাঁ	পু	দি		য়ে	ছি	•		আ	কা	শু		রা•	•	দি		

I মা -১ -১ | -১ -১ -১ I সর্মা মা -১ | মা মা -১ I  
 তে • • • • • পা• গ ল তো মা ব

I মা -র্গা পা | মা মা -১ I গর্পা মা -র্জা | -১ -১ -১ I  
 সৃ ব্ টি ছা ডা • সু• রে • • • •

I মা -১ রা | রা সা -১ I না সা -ধা | না -১ না I  
 তা ম্ দি মো মো ব্ বা ধা ব্ বা • শি

I সা -১ -১ | -১ -১ -১ I না -১ সা | রা সা -১ I  
 তে • • • • • অ শ্ শ্ৰ জ লে ব্

I না সা -১ | রা সা -১ I না সা -১ | -১ -১ -১ I  
 চেউ যে ব্ প রে • আ জি • • • •

I গা গা -রা | সা গা -১ I ধা পা -১ | মগা -১ গা I  
 পা রে ব্ ত রী • ধা কু ক্ ভা• • সি

I মা -১ -১ | -পা -ধা -গা II II  
 তে • • • • •

আমি তারেই জানি তারেই জানি আমায় যে জন আপন জানে—  
 তারি দানে দাবি আমার যার অধিকার আমার দানে ॥  
 যে আমারে চিনতে পারে সেই চেনাতেই চিনি তারে গো—  
 একই আলো চেনার পথে তার প্রাণে আর আমার প্রাণে ॥  
 আপন মনের অঙ্ককারে ঢাকল যারা  
 আমি তাদের মধ্যে আপনহারা ।  
 ছুঁইয়ে দিল সোনার কাঠি, ঘুমের ঢাকা গেল কাটি গো—  
 নয়ন আমার ছুটেছে তার আলো-করা মুখের পানে ॥

পা ধা II সঁ গা -১ | ধা পা -ধপা I মা মজ্জা -১ | রা সা -রা I  
 আ মি তা রে ই জা নি •• তা রে ই জা নি •

I না সা -১ | গা গা -১ I গা গা -মা | মা পা -১ I  
 আ মা য্ যে জ ন্ আ প ন্ জা নে •

I মা মজ্জা -১ | রা সা -১ I মা মা -পা | পা পা -মা I  
 তা রে ই জা নি • তা রি • দা নে •

I মণা গা -১ | ধা পা -মা I পা -সঁ গা | ধা পা -ধা I  
 দা• বি • আ মা য় যা য় অ ধি কা য়

I মপা গা -১ | মা পা -১ I মা জ্জা -১ | রা সা -১ II  
 আ• মা য় দা নে • তা রে ই জা নি •

II { মা -১ পা | না না -সঁ I সঁ -১ সঁ | সঁ নধা -না I  
 বে • আ মা রে • চি ন্ তে পা রে• •

I সী -১ গী | রী সী -রী I না না -১ | না নী -রী I  
সে ই চে না তে • ই চি নি • তা রে • •

I না -সী -১ | -১ -১ -১ } I পী সী -১ | সী সী -রী I  
গো • • • • • এক ই • আ লো •

I সী গী -১ | ধী পী -মী I পী -সী গী | ধী পী -ধপী I  
চে না ব্ প থে • তা ব্ প্রা নে আ • ব্

I মী গী -১ | মী পী -১ I মী মজা -১ | রী সী -১ II  
আ মী ব্ প্রা নে • তা রে ই জা নি •

II { সী সী -জা | রী জা -১ I রী -১ জা | রী জা -১ I  
আ প ম্ ম নে ব্ অ ম্ ধ কা রে •

I রী -মী জা | রী সী -১ I -১ -১ -১ | -১ গী গী I  
তা ক্ ল যা রা • • • • • আ মি

I গী গী -১ | মী -১ পী I মপী মজা -১ | রী সী -১ } I  
তা দে ব্ ম ধ্ থে আ • প • ম্ হা রা •

I { মী -পী পী | না না -সী I সী সী -১ | সী নধা -না I  
ছু ই যে দি ল • সো না ব্ কা ঠি •

I সী সী -গী | রী সী -রী I না না -১ | সী সী -রী I  
ব্ মে ব্ তা কা • • গে ল • কা টি •

I না -সাঁ -১ | -১ -১ -১ } I পসাঁ সাঁ -না | সাঁ সাঁ -রাঁ I  
গো • • • • • ন • র ম্ আ মা য়

I সাঁ গা -১ | ধা পা -মা I পসাঁ গা -১ | ধা পা -ধপা I  
ছু টে • হে তা য় আ লো • ক রা ••

I মপা গা -১ | মা পা -১ I মা জ্ঞা -১ | রা সা -১ II II  
মু • খে য় পা নে • তা রে হৈ জা মি •

তোরা যে যা বলিস ভাই, আমার সোনার হরিণ চাই ।  
 মনোহরণ চপলচরণ সোনার হরিণ চাই ॥

সে-যে চমকে বেড়ায়, দৃষ্টি এড়ায়, যায় না তারে বাঁধা ।  
 সে-যে নাগাল পেলে পালায় ঠেলে, লাগায় চোখে ধাঁদা ।  
 আমি ছুটব পিছে মিছে-মিছে পাই বা নাহি পাই—  
 আমি আপন-মনে মাঠে বনে উধাও হয়ে ধাই ॥

তোরা পাবার জিনিস হাটে কিনিস, রাখিস ঘরে ভরে—  
 যারে যায় না পাওয়া তারি হাওয়া লাগল কেন মোরে ।  
 আমার যা ছিল তা গেল যুচে যা নেই তার কোঁকে—  
 আমার ফুরায় পুঁজি, ভাবিস বুঝি মরি তারি শোকে ?  
 আমি আছি স্মৃথে হাস্যমুখে, ছঃখ আমার নাই ।  
 আমি আপন-মনে মাঠে বনে উধাও হয়ে ধাই ॥

[ নরী রসী ]

না না -১ II না সী -১ | সী না -১ I ৭পা -১ -১ | মা গা -১ I  
 তো রা • যে যা • ব লি স্ ভা • ই আ মা র্

I মা গা -পা | মা গা -১ I ৭সী -১ -১ | -১ -১ -১ I  
 সো না র্ হ রি ৭ চা • • • • ই

I সা সা -১ | গা গা -মা I পা পা -১ | না না -১ I  
 ব নো • হ র ৭ চ প ল্ চ র ৭

I গা গা -মা | পা ক্ষা -পা I পা -১ -১ | না না -১ I  
 সো না র্ হ রি ৭ চা • ই আ মা র্

I না না -১ | না না -সাঁ I সাঁ -১ -১ | সাঁ সাঁ -না I  
সো না ব্ হ রি ৭্ চা • ই আ যা ব্

I সাঁ সাঁ -গাঁ | রাঁ -সাঁ -না I ধপা -১ -১ | না না -১ I [ ] I  
সো না ব্ হ রি ৭্ চা • • ই "তো রা •"

-১ | -১ পা পা II পা -১ পা | পনা না -১ I নসাঁ -১ সাঁ | না না -পা I  
• ই সে যে চ ম্ কে বে ডা ব্ দৃ • ব্ টি আ ডা ব্

I পা -১ পা | পা না -১ I না -১ সাঁ | -১ না সাঁ I  
যা ব্ না তা রে • বা • ধা • সে যে

I সাঁ সাঁ -১ | সাঁ সাঁ -১ I না না -১ | না না -পা I  
না গা ল পে লে • পা লা ব্ ঠে লে •

I পা পা -১ | পা না -১ I না -১ সাঁ | -১ সাঁ না I  
লা গা ব্ চো খে • ধা • দা • আ মি

I সাঁ -১ সর্গাঁ | রাঁ রাঁ -১ I সাঁ না -১ | পা পা -১ I  
ছু টি ব • পি ছে • মি ছে • মি ছে •

I পা -সাঁ গা | ধা পা -১ I মা -গা -১ | মা গা -১ I  
পা ই বা না হি • পা • ই আ মি •

I না না -সাঁ | গা গা -মা I পা পা -১ | না না -১ I  
আ প ম্ ব নে • বা ঠে • ব নে •

I গা গা -মা | -১ পা স্কা I পা -১ -১ | না না -১ I  
উ ধা • ও হ রে ধা • ই আ যা ব্

I না না -১ | না না -সাঁ I সাঁ -১ -১ | সাঁ সাঁ -না I  
সো না ব্ হ রি ৭্ চা • ই আ মা ব্

I সাঁ সাঁ -গাঁ | রাঁ সাঁ -না I ধপা -১ -১ | না না -১ I [ ] I  
সো না ব্ হ রি ৭্ চা• • ই "তো রা •"

-১ | সা সা -না II সা সা -পা | পা পা -ধপা I পা পধপা -মপা | মা গা -১ I  
ই তো রা • পা বা ব্ জি নি •স্ হা টে• •• কি নি স্

I সা গা -১ | মা পা -ধপা I মা -পা গা | -১ সাঁ না I  
রা খি স্ ঘ রে •• ভ • রে • যা রে

I সাঁ -১ গাঁ | রাঁ -১ রাঁ I সাঁ না -১ | পা -১ পা I  
যা য্ না পা ও য়া তা রি • হা ও য়া

I পা -সাঁ গা | ধা পা -১ I মা -১ গা | -১ পা পা I  
লা ৭্ ল কে ন • মো • রে • আ মাব্

I পা -১ পা | না না -১ I না সাঁ -১ | না স্না -১ I  
যা • চি ল তা • গে ল • ঘু চে •

I পা -১ পা | -না না -১ I না -১ সাঁ | -১ সাঁ না I  
যা • নে ই তা ব্ য়ো • কে • আ মাব্

I সাঁ সাঁ -১ | সাঁ সাঁ -১ I না না -১ | না স্না -১ I  
ফু য়ো ব্ পুঁ জি • ভা বি স্ ব্ বি •

I পা পা -১ | পা না -১ I না -১ সাঁ | -১ সাঁ না I  
য রি • তা রি • শো • কে • আ যি



I সা সা -গা | রা রা -১ I সী -১ না | পা পা -১ I  
 আ ছি • হু খে • হা সূ স যু খে •

I পা -সী পা | ধা পা -১ I মা -গা -১ | মা গা -১ I  
 হু কু . খ আ মা ব না • হৈ আ মি •

I নু নু -সা | গা গা -মা I পা পা -১ | না না -১ I  
 আ প ব্ ম নে • মা ঠে • ব নে •

I গা গা -মা | -১ পা ক্ষা I পা ১ -১ | না না -১ I  
 উ ধা • ও হ য়ে ধা • হৈ আ মা ব্

I না না -১ | না না -সী I সী -১ -১ | সী সী -না I  
 সো না ব্ হ রি ৭ চা হৈ • আ মা ব্

I সী সী -গী | রা সী -না I ধপা -১ -১ | না না -১ II [ ] II  
 সো না ব্ হ রি ৭ চা • হৈ "তো রা •"

পথের শেষ কোথায়, শেষ কোথায়, কী আছে শেষে !

এত কামনা, এত সাধনা কোথায় মেশে ?।

ঢেউ ওঠে পড়ে কাঁদার, সম্মুখে ঘন আঁধার,

পার আছে কোন্ দেশে ?।

আজ ভাবি মনে মনে, মরীচিকা-অন্বেষণে

বুঝি তৃষ্ণার শেষ নেই। মনে ভয় লাগে সেই—

হাল-ভাঙা পাল-ছেঁড়া ব্যথা চলেছে নিরুদ্দেশে ॥

II রসা -রা রপা -১ | -১ -১ -১ -১ I সী -না সী -না | সী -১ -গা -ধা I  
প • • থে • • • • • স্ব শে স্ব কো • • • • •

I গা -ধা গা -ধা | গা -১ -পা -মা I পা -১ -সী -১ | গা -ধা পা -১ I  
শে স্ব কো • • • • • স্ব কী • • • • • আ • • • • •

I মপা -ধপা মজা -১ | রসা -রা রপা -১ I -১ -১ -১ -১ | -১ -১ -১ -১ I  
শে • • • • • বে • • • • • প • • • • • থে • • • • •

I জা রা জা রা | জা -১ রা সা I রা -১ না -১ | সা -১ -১ -১ I  
আ ত কা ম না • • • • • আ ত সা • • • • •

I গা -ধা সী -১ | -১ -১ -১ -১ I পধা -১ পা -মা | পা -১ -সী -১ I  
কো • • • • • থা • • • • • স্ব মে • • • • • শে • • • • • কী • • • • •

I গা -ধা পা -১ | মপা -মপা মজা -১ II  
আ • • • • • হে • • • • • শে • • • • •

II রী -সী সী সী | রী -১ সী -রসী I সী -১ সী -১ | -১ -১ -১ -১ I  
 ঢে উ ও ঠে প • ডে •• কা • দা • • • • হ

I না -১ সী রী | সী -রী সী -১ I গা -ধা গা -১ | -১ -১ -১ -১ I  
 স স্ মু খে ব • ন • আ • ধা • • • • হ

I পা -ধা গা -ধা | পা -১ পধা -মা I পা -ধা গা -ধা | পা -১ -১ -১ I  
 পা ব্ আ • ছে • গো • • পা ব্ আ • ছে • • •

I পা -সী সী সী | গা -১ গা -ধা I ধগা -১ -মা -১ | পা -১ -সী -১ I  
 পা ব্ আ ছে কো ন্ দে • শে • • • • কা • • •

I গা -ধা পা -১ | মপা -মপা মজ্জা -১ II  
 আ • ছে • শে • • • যে •

II পা -ধা গা গা | গা -ধা গা -১ I গা -ধা সীগা -১ | -১ -১ -ধা -পা I  
 আ জ্ ভা বি ম • নে • ম • নে • • • • •

I পা ধা গা ধা | পা -১ পধা -পা I জ্জা -১ পা -১ | পা -ধা -মা -১ I  
 ম রী চি কা অ ন্ নে • ব • নে • হা • • •

I -গা -মা -পা -ধা | গা -১ গা গা I গা -১ গা -১ | গা -ধা সীগা -১ I  
 • • • য্ আ জ্ ভা বি ম • নে • ম • নে •

I -১ -১ -ধা -পা | পা ধা গা ধা I পা -১ ধা -পা | জ্জা -১ পা -১ I  
 • • • • ম রী চি কা অ ন্ নে • ব • নে •

I -১ -১ -১ -১ | -১ -১ জ্জা জ্জা I {জ্জা -১ জ্জা -১ | জ্জা -১ জ্জা -রী I  
 • • • • • • ব্ বি হ্ ব্ গা হ্ শে ব্ নে ই

I রা -মা -১ -১ | -জা -১ -রা -স। I সা রা জা -১ | জঁরা -১ সা -রঁসা I  
 নে . . . . . ই ম নে ভ য়্ লা . গে . .

I না -১ -স। -১ | -১ -১ -১ ( -জা ) } I -১ I সঁরা -১ সা সা | গঁসা -১ গা গা I  
 সে . . . . . ই ই হা° ন্ ভা ঙা পা° ন্ ছেঁ ডা

I গা -ধা সঁগা -১ | -১ -১ -১ -১ I ধা সা গা ধা | পা -১ মপা -ধপা I  
 ব্য . ধা . . . . . চ লে ছে নি কৃ দ্ দে° . .

I মঁজা -১ -১ -১ | জা -স। -১ -১ I গা -ধা পা -১ | মপা -মপা মঁজা -১ II II  
 শে . . . . . কী . . . . . আ . ছে . শে° . . . . . যে .

ওগো, তোমার চক্ষু দিয়ে মেলে সত্য দৃষ্টি  
আমার সত্যরূপ প্রথম করেছে সৃষ্টি ॥

তোমায় প্রণাম, তোমায় প্রণাম,  
তোমায় প্রণাম শতবার ॥

আমি তরুণ অরুণলেখা,  
আমি বিমল জ্যোতির রেখা,  
আমি নবীন শ্যামল মেঘে  
প্রথম প্রসাদবৃষ্টি ।

তোমায় প্রণাম, তোমায় প্রণাম,  
তোমায় প্রণাম শতবার ॥

সা সা II { সা রা -গা | রা -পা পা I মা গা -১ | -১ -১ -১ I  
ও গো তো মা স্ব চো ক খু দি য়ে • • • •

I ( পা পা -না | ধা -১ নধা I ধপা -ধা পা | -মা গা রগা ) } I  
মে লে • স ৭ ত• দৃ• স্ব টি • ও গো•

I পা পা -১ | ক্ষা -১ পা I ক্ষা -পা -১ | -ধা -না -ধপা I  
আ মা স্ব স ৭ ত রু • • • • প.

I পনা না -১ | ধা ধা পা I পা -ধা পা | -মা গা রগা II  
প্র• ধ ম্ ক রে ছ সৃ স্ব টি • “ও গো•”

সা সা II সা রা -১ | -১ রা গা I রা গা -১ | -১ সা রা I  
তো মায়্ প্র গা • ম্ তো মায়্ প্র গা • ম্ তো মায়্

I গা গা -পা | পা মা -গা I গরা -গা -১ | -১ সা সা II  
প্র গা ম্ শ ত • বা • • স্ব “ও গো”

স। সা II { সা সা সা | রা মা মা I মপা পা -১ | -১ সা সা I  
 আ মি ত ক ৭ অ ক ৭ লেং খা • • আ মি

I সা গা গা | ধা পা -ধপা I মপা মজ্জা -১ | রা সা -১ } I  
 বি ম ল জো তি • বৃ রেং খা • • আ মি •

I { গা গা গা | গা গা মা I গা মা -১ | -গমা -গমা -পা I  
 ন বী ন শ্রা ম ল মে যে • • • •

I মপা মা জ্জা | রা সা রা I নৃ -১ সা | (-গা গা গা ) } I -১ সা সা I  
 প্রং ধ ম প্র সা দ বৃ ব্ টি • আ মি • তো মায়্,

I সা রা -১ | -১ সা রা I রা গা -১ | -১ সা রা I  
 প্র গা • ম্ তো মায়্ প্র গা • ম্ তো মায়্

I গা গা -পা | পা মা -গা I রা -গা -১ | -১ সা সা II II  
 প্র গা ম্ শ ত • বা • • বৃ "ও গো"

রাজরাজেন্দ্র জয় জয়তু জয় হে ।

বাপু পরতাপ তব বিশ্বময় হে ॥

ছুটদলদলন তব দণ্ড ভয়কারী, শক্রজনদর্পহর দীপ্ত তরবারি—

সঙ্কটশরণ্য তুমি দৈন্ত্যদুঃখহারী ।

মুক্ত-অবরোধ তব অভ্যুদয় হে ॥

II { মজা -১ রা ]  
 { সা -১ | সা সা -রা | না -সরা | রা রা রা I  
 রা • জ রা • জে • ন্ জ জ য

I সা রা | রা পা পা | মজা -১ | -১ ( -রজা -মপা ) } I -১ -১ I  
 জ য তু জ য হে • • • • •

I মা -পা | পা পা পমা | মণা -১ | গা ধা পা I  
 বা প্ ত প র • তা • প ত ব

I মা -১ | পা সা সা | মজা -১ | -১ -রজা -মপা I [ ] I  
 বি শ্ শ ম র হে • • • • •

II { মা -১ | পা না না | না না | না না পা I  
 ছ ব্ ট দ ল দ ল ন ত ব

I না -১ | না সা রা | মনা -১ | সা -১ -১ I  
 দ প্ ত ত য কা • রী • •

I গা -১ | গা ধা ধা | গা -১ | ধা পা ধা I  
 শ ৎ জ জ ন দ ব্ প হ ব

I	গা দী	-রা প্		সাঁ ত	গা ত	ধা র		পধা বা•	-গধা ••		পা রি	-ৱ •	-ৱ } •	I
I	মা স	-পা ঙ্		পা ক	পা ট	পা শ		মা র	-গা প্		ধা গ	পা তু	পা মি	I
I	মা দৈ	-পা ন্		পা ন	না হু	না খ		না হা	-ৱ •		সাঁ রী	-ৱ •	-ৱ •	I
I	না মু	-রা ক্		সাঁ ত	গা অ	ধা ব		পধা রো	-ৱ •		ধা ধ	পা ত	পা ব	I
I	মা অ	-ৱ ঙ্		পা তু	পধা দ•	মপা য়•		মজা হে	-ৱ •		-ৱ •	-রজা ••	-মপা ••	II [ ] II



হে আকাশবিহারী-নীরদবাহন জল,  
আছিল শৈলশিখরে-শিখরে তোমার লীলাস্থল ॥

তুমি বরনে বরনে কিরণে কিরণে প্রাতে সন্ধ্যায় অরুণে হিরণে  
দিয়েছ ভাসায়ে পবনে পবনে স্বপনতরঙ্গীদল ॥

শেষে শ্যামল মাটির প্রেমে তুমি ভুলে এসেছিলে নেমে,  
কবে বাঁধা পড়ে গেলে যেখানে ধরার গভীর তিমিরতল ।

আজ পাষাণহৃয়ার দিয়েছি টুটিয়া, কত যুগ ধরে এসেছ ছুটিয়া  
নীল গগনের হারানো স্মরণ গানেতে সমুচ্ছল ॥

II গা -মা -পা | -ধা -না -সা I -ধনা -১ -পা | পরসা -১ -১ I  
 হে . . . . . হে . . . . .

I    ଖା    ଖା    ଖା    |    ଗା    ଖା    ଖା    I    ଧା    ଧା    ଧା    |    ପା    ଧା    ଧା    I  
 ଡା    ଡା    ଡା       ବି    ହା    ଗା    ଗା    ଗା    ଗା    ଦ •    ବା    ହା    ହା    ନ

I    ମା        -1        -1    |    -1        -1        -1    I    ଦା        ଦା        ଦା    |    ଦା        -1        ଗଦା    I  
 ଝ        •        •        •        •        ନ        ଆ        ଛି        ଣ        ଟେ        •        ଣ•

I পা দা দা | দা দা পা I মা পা -১ | পা দা -৭পা I  
শি খ রে শি খ রে তো মা স্ব লী লা •

$$\text{I} \quad \text{मग।} \quad -1 \quad -1 \quad | \quad -1 \quad -1 \quad -1 \quad \text{II}$$

$$\text{ह०} \quad \bullet \quad \bullet \quad \bullet \quad \bullet \quad \bullet \quad \text{न}$$

-১ | পা পা -খা II খা খসাঁ সঁ | সঁ সঁ সঁ I সঁ সঁ সঁ খঁসাঁ | সঁ সঁ খঁসাঁ I  
 নু তু মি • ব র • নে ব র নে কি র • নে কি র নে

I    না    সী    সী    |    -না    না    -৷    I    খা    সী    না    |    খা    না    খা    I  
 এা    তে    স    য়    খা    য়    অ    ক    নে    হি    ব    নে

I পা ধা পা | পা ধা পা I মা পা ধা | মপা গা মা I  
 দি য়ে ছ ভা সা য়ে প ব নে প ব নে  
  
 I পা ধা না | না ধা না I ধপা -১ -১ | -১ -১ -১ I  
 স্ব প ন ত র নী দ• • • • • ল  
  
 I পা দা দা | দা দা গদা I পা দা দা | দা পা পা I  
 দি য়ে ছ ভা সা য়ে• প ব নে প ব নে  
  
 I মা পা পা | পা দা মপা I মগা -১ -১ | -১ -১ -১ II  
 স্ব প ন ত র নী দ• • • • • ল  
  
 -১ | সা সা -১ II সা রা রা | রা গা -মগা I রা গা -১ | গা গা -১ I  
 ল শে বে • ঞা ম ল মা টি • স্ব প্রে মে • ভু মি •  
  
 I সা সা রা | রা রা গা I রা গা -১ | -১ গা গা I  
 ভু লে এ সে ছি লে নে মে • • ক বে  
  
 I গা মা মা | মা মা মা I মা পা পা | পা পদা -গদপা I  
 বা ধা প ডে গে লে যে খা নে ধ রা• •• স্ব  
  
 I পা দা গা | গা দা গা I দপা -১ -১ | পা -১ -ধা I  
 গ ভী র তি মি র ত• • ল আ • জ্  
  
 I ধা সা সা | সা সা -১ I সা সা সা | সা সা নধা I  
 পা বা প ছ রা স্ব দি যে ছি টু টি রা•  
  
 I -পা -১ -১ | -ধা -না -সা I -ধনা -১ -ধা | -পা -১ -১ I  
 • • • • • • • • • • • • •

I পা ধা ধা | -রাঁ সঁ সঁ I না সঁ না | ধা না ধা I  
ক ত য় গ প রে এ সে ছ ছু ট ঝা

I -পা -ৱ -ৱ | -ধা -না -সঁ I -ধনা -ৱ -ধা | -পা -ৱ -ৱ I

I পা -দা দা | দা দা -গদা I পা দা দা | দা পা -ৱ I  
নী ল্ গ গ নে •য় হা ঝা নো অ ঝ ৭্

I মা পা পা | পা দা -পা I মগা -ৱ -ৱ | -ৱ -ৱ -ৱ II II  
গা নে তে স য় চ্ ছ• • • • দ

এসো এসো ওগো শ্যামছায়াঘন দিন, এসো এসো ।

আনো আনো তব মল্লারমস্প্রিত বীন-ইন্ ॥

বীণা বাজুক রমকি ঝমকি,

বিজুলির অঙ্গুলি নাচুক চমকি চমকি চমকি ।

নবনীপকুঞ্জনিভূতে কিশলয়মর্মরগীতে—

মঞ্জীর বাজুক রিন্-রিন্ রিন্-রিন্ ॥

নৃত্যতরঙ্গিত তটিনী বর্ষণনন্দিত নটিনী— আনন্দিত নটিনী,

চলো চলো কুল উচ্ছলিয়া কলো-কলো-কলো-কল্লোলিয়া ।

তীরে তীরে বাজুক অঙ্ককারে ঝিল্লির ঝঙ্কার বিন্-বিন্-বিন্-ইন্ ॥

[ ধনা -সঁনা ধপা -১ ] ।

দা পা II মা -১ পা -১ | -১ -১ গা মা I পা -ধা না না | ঝা -সঁ সঁ না I  
এ সো এ • সো • • • ও গো ঞা • ম ছা ঝা • ঘ ন

I ঝপা -১ ধা পা | মা -১ পা -১ I -১ -১ সঁ সঁ | না -রঁ রঁ -১ I  
দি ম্ এ সো এ • সো • • • আ নো আ • নো •

I -১ -১ পা পা | পা -ধা না না I না -১ সঁ না | ধা -না -পা -১ I  
• • ত ব ম ন লা র ম ন্ দ্বি ত বী • • ম্

I পা -ধা -না -সঁ | -ঝা -১ না সঁনা I [ ] I  
ই • • • • ম্ “এ সো•”

সঁ না II সঁ -মা মা মঁজা | মঁজা জঁরা রা -১ I রা রা রা -১ | -রা -জঁ -সঁ -১ I  
বী গা বা • জু ক • র ম • কি • ঝ ম কি • • • •

I সঁ রা জঁ রা | সঁ -১ রা সঁ I না -১ সঁ রা | সঁ ঝা সঁ -১ I  
বি দ্ব লি য অ ও ও লি না • হু ক চ ম কি •



ওগো জলের রানী,  
 ঢেউ দিয়ে না, দিয়ে না ঢেউ দিয়ে না গো—  
 আমি যে ভয় মানি ॥  
 কখন তুমি শাস্তগভীর, কখন টলোমলো—  
 কখন আঁখি অধীর হাস্যমদির, কখন ছলোছলো—  
 কিছুই নাহি জানি ॥  
 যাও কোথা যাও, কোথা যাও যে চঞ্চলি ।  
 লও গো ব্যাকুল বকুলবনের মুকুল-অঞ্জলি ।  
 দখিন-হাওয়ায় বনে বনে জাগল মরোমরো—  
 বৃকের 'পরে পুলক-ভরে কাঁপুক থরোথরো ।  
 সুনীল আঁচলখানি ॥  
 হাওয়ার ছললী,  
 নাচের তালে তালে শ্যামল কুলের মন ভুলালি !  
 অরুণ-আলোর মানিক-মালা দোলাব ওই স্রোতে,  
 দেব' হাতে গোপন রাতে আঁধার গগন হতে  
 তারার ছায়া আনি ॥

সা না II সা -রা জা | -১ রা -১ I সা -১ -১ | -১ সা -না I  
 ও গো জ • লে স্ব রা • নী • • • ঢে উ

I সা -জা জা | -১ জা -১ I জা -১ জা | -১ জা -রা I  
 দি • যো • না • দি • যো • না •

I সা -রা জা | -মা জা -১ I সা -মা -জা | রসা -১ -১ I  
 চে উ দি • যো • না • • গো • • •

I মা -১ পা | -১ পা -১ I পা -ধা গা | -১ "পা -১ I  
আ • মি • বে • ত র্ মা • মি •

I মা -পা -১ | মপা -ধপা -১ I মজা -১ -১ | -১ রা সা II  
ত • র্ মা • • • নি • • • "ও গো"

-১ -১ -১ II না -১ সা | -রা গা -১ I মা -১ পা | -না না -১ I  
• • • ক • ধ ন্ তু • মি • পা ন্ ত •

I "না -১ -১ | না -১ -১ I না -১ সা | -১ সা -১ I  
গ • • ভী • স্ব ক • ধ ন্ ট •

I রা -১ -১ | না -১ -১ I সা -১ -১ | সা সা -১ I  
লো • • ম • • লো • • ক ধ ন্

I সা -রা সা | -১ ধা -১ I গা -১ -১ | -১ -১ -১ I  
আ • মি • অ • ধী • • • স্ব

I পা -১ র্গা | -১ ধা -১ I পা -১ -১ | -১ -১ -১ I  
হা ন্ স • ম • দি • • • স্ব

I র্গা -১ গা | -১ ধা -১ I পা -১ পা | -১ পা -১ I  
ক • ধ ন্ হ • লো • হ • লো •

I মা -১ পা | -১ মা -১ I ধপা -১ -১ | -ধা -পা -১ I  
কি • ছু ই না • হি • • • •

I মপা -১ -১ | মজা -১ -১ II  
জা • • নি • • •

-১ -১ -১ II সা -গা গা | -১ সা -১ I সা -পা পা | -১ সা -১ I  
 • • • যা ও কো • থা • যা ও কো • থা •

I সা -পা পা | -১ পা -১ I গা -১ মা | -১ -১ -১ I  
 যা ও যে • চ ন্ চ • লি • • •

I গা -১ মা | -১ সপা -১ I পা -১ পা | -১ মা -১ I  
 ল ও গো • ব্যা• • কু • ল • ব •

I গা -১ গা | -১ গা -১ I গা -১ মা | -১ গা -১ I  
 কু • ল • ব • নে য় য় • কু •

I গা -১ গা | -১ রা -১ I সা -১ -১ | -১ -১ -১ I  
 ল • অ ন্ জ • লি • • • • •

I না -১ সা | -১ গা -১ I মা -১ পা | -১ না -১ I  
 দ • থি ন্ হা ও য়া য় ব • নে •

I না -১ না | -১ সা না -১ I সা -১ সা | -১ নসা -১ I  
 ব • নে • জা গ্ লো • ম • যো• ••

I না -১ সা | -১ -১ -১ I না -১ সা | -১ গা -১ I  
 ম • যো • • • বু • কে য় প •

I গা -১ -১ | -১ -১ -১ I না -১ সা | -১ গা -১ I  
 যে • • • • পু • ল ক্ ভ •

I সা -১ -১ | -১ -১ -১ I পা -১ সা | -১ না -১ I  
 যে • • • • কা • পু ক্ থ •



I দা -১ পা | -১ ক্ষা -১ I পক্ষা -১ পা | -১ ধা -১ I  
 যো • ধ • যো • সু • না • ল •

I মা -১ পা | -১ ধা মা -১ I পা -১ -মজা | -১ -১ -১ I  
 আ • চ ল ধা • নি • • • •

I -১ -১ -১ | -১ রা সা II  
 • • • • "ও গো"

-১ -১ -১ II সা -১ জা | -১ জা -১ I ঞা -১ -সা | সা -১ -১ I  
 • • • হা ও যা ব্ হ্ • লা • • লী • •

I গা -১ গা | -১ গা -১ I মা -১ গমা | -১ মা -১ I  
 না • চে ব্ তা • লে • তা • লে •

I সা -১ সা | -১ মা -১ I জা -১ জা | -১ জা -১ I  
 শা • ম ল কু • লে ব্ ম ব্ ডু •

I জা -১ জা | -১ রা -১ I -১ -১ -১ | -১ রা সা I  
 লা • লি • • • • • • ও গো

I না -১ সা | -১ গা -১ I পা -১ না | -১ না -১ I  
 অ • ক গ্ আ • লো ব্ মা • নি ক্

I না -১ সা | -১ না -১ I সা -১ সা | -১ রা -১ I  
 মা • লা • দো • লা • ব • ও ই

I না -১ সা | -১ -১ -১ I নসা -১ সা | -১ সা -১ I  
 যো • তে • • • দে • • ব' • হা •

I	না	-১	-১		-১	-১	-১	I	না	-সাঁ	ণা		-১	ধা	-১	I
	তে	•	•		•	•	•		গো	•	ণ		ব্	রা	•	
I	পা	-১	-১		-১	-১	-১	I	পা	-১	সঁণা		-১	ণা	-১	I
	তে	•	•		•	•	•		আ	•	ধা		ব্	গ	•	
I	ধা	-পা	পা		-১	পা	-১	I	মা	-১	পা		-১	মা	-১	I
	গ	ব্	হ		•	তে	•		তা	•	রা		ব্	ছা	•	
I	পা	-১	মপা		-১	মজ্ঞা	-১	I	-১	-১	-১		-১	রা	সা	II II
	রা	•	আ		•	নি	•		•	•	•		•	“ও	গো”	

ভালোবেসে, সখী, নিভুতে যতনে আমার নামটি লিখো—

তোমার মনের মন্দিরে ।

আমার পরানে যে গান বাজিছে তাহার তালটি শিখো—

তোমার চরণমঞ্জীরে ॥

ধরিয়া রাখিয়ো সোহাগে আদরে আমার মুখর পাখি—

তোমার প্রাসাদপ্রাঙ্গণে ।

মনে ক'রে, সখী, বাঁধিয়া রাখিয়ো আমার হাতের রাখী—

তোমার কনককঙ্কণে ॥

আমার লতার একটি মুকুল ভুলিয়া ভুলিয়া রেখো—

তোমার অলকবন্ধনে ।

আমার স্মরণ-শুভ-সিন্দুরে একটি বিন্দু ঐকো—

তোমার ললাটচন্দনে ॥

আমার মনের মোহের মাধুরী মাখিয়া রাখিয়া দিয়ো—

তোমার অঙ্গসৌরভে ।

আমার আকুল জীবনমরণ টুটিয়া লুটিয়া নিয়ো—

তোমার অতুল গৌরবে ॥

II {	সা	গা	রা	গা	গা	গা	রা	গমপা	মা	গা	মা	গমগা
	ভা	লো	বে	সে	স	খী	নি	ভু...	ভে	য	ত	মে...
	রা	রা	-১	রা	-১	গমা	গা	রগা	-সা	সা	সা	-রা
	আ	মা	বু	না	ম্	টি.	লি	খো.	.	তো	মা	বু
	রা	গা	গমা	রগা	-মপা	মা	গা	-১	-১			
	ম	নে	র.	ম.	.	ম্	দি	রে	.	.		
	গা	গপা	পা	পা	পা	পগা	গা	পা	-১	ধা	না	ধপা
	আ	মা.	ব	প	রা	নে.	যে	গা	ম্	বা	জি	হে.

পা	পা	-ধা	পা	-১	ধা	পা	পধনা	-ধপা	পধা	পা	-মা
ভা	হা	বু	ভা	ল্	টি	শি	খো...	...	তো	মা	বু
গা	গা	মা	রগা	-মপা	মা	গা	-১	-১	-১	-গরা	-সনা II
চ	ব	ণ	ম	...	জী	রে	...	...	...	...	...
II পা	ধা	সাঁ	সাঁ	সাঁ	সাঁ	সাঁ	সর্গা	রাঁ	সাঁ	না	ধণা
ধ	রি	য়া	রা	খি	য়ো	সো	হা	গে	আ	দ	রে
ধা	পা	-১	পা	পা	দা	পা	পদা	-গা	দা	পা	-১
আ	মা	বু	মু	খ	ব	পা	খি	...	তো	মা	বু
পা	পা	দা	পদা	-গা	দা	পা	-১	-১	-১	-১	-১
প্রা	সা	দ	প্রা	ঙ	গ	ণে	...	...	...	...	...
পা	ধা	ধসাঁ	সাঁ	সর্গা	সাঁ	না	সাঁ	না	ধা	ণা	ধণা
ম	নে	ক	রে	স	খী	বাঁ	ধি	য়া	রা	খি	য়ো
ধা	পা	-১	পা	পা	দা	পা	পদগা	-দপা	পধা	পা	-মগা
আ	মা	বু	হা	ভে	ব	রা	খী...	...	তো	মা	...
গা	গা	মা	রগা	-মপা	মা	গা	-১	-১	-১	-গরা	-সনা II
ক	ন	ক	ক	...	ক	ণে	...	...	...	...	...
II সা	গা	রা	রমা	গা	-১	রগা	-মপা	মা	গা	মা	-গরা
আ	মা	ব	ল	ভা	বু	এ	...	টি	মু	কু	...
রা	রা	রা	রা	রা	রমা	গা	রগা	-সা	সা	সা	-রা
ভু	লি	য়া	ভু	লি	রা	রে	খো	...	তো	মা	বু

রা	গা	গা	রগা	-মপা	মা	গা	-১	-১	-১	-১	-১
অ	ল	ক	ব •	• ন্	ধ	নে	•	•	•	•	•
গা	গপা	পা	পা	পা	পগা	গা	পা	মপা	-ধনা	না	ধপা
আ	মা •	র	অ	র	ণ •	ত	ত	সি •	• ন্	দু	য়ে •
পা	-১	ধা	পা	-১	ধা	পা	পধনা	-ধপা	পধা	পা	-মগা
এ	ক্	টি	বি	ন্	হ্	এ	কো •	• •	তো •	মা	• হ্
গা	গা	মা	রগা	-মপা	মা	গা	-১	-১	-১	-১	-১
ল	লা	ট	চ •	• ন্	দ	নে	•	•	•	•	•
পা	ধা	সাঁ	সাঁ	সাঁ	সাঁ	সাঁ	সর্গা	রী	সাঁ	না	ধপা
আ	মা	র	ম	নে	র	মো	হে •	র	মা	ধু	রী •
গা	ধা	ধা	পা	পা	দা	পা	পদপা	-দপা	পা	পা	-দা
মা	ধি	য়া	রা	ধি	য়া	দি	য়ো • •	• •	তো	মা	হ্
পা	-১	দা	পদা	-পা	দা	পা	-১	-১	-১	-১	-১
অ	ঙ	গ	সো •	উ	র	ভে	•	•	•	•	•
পা	ধা	সাঁ	সাঁ	সর্গা	সাঁ	না	সাঁ	না	ধা	পা	ধপা
আ	মা	র	আ	কু •	ল	জী	ব	ন	ম	র	ণ •
ধা	পা	পা	পা	পা	দা	পা	পদপা	-দপা	পধা	পা	-মগা
ই	টি	য়া	লু	টি	য়া	নি	য়ো • •	• •	তো •	মা	• হ্
গা	গা	মা	রগা	-মপা	মা	গা	-১	-১	-১	-গরা	-সনা II II
অ	তু	ল	গো •	• উ	র	বে	•	•	•	• • •	

মনোমন্দিরসুন্দরী ! মণিমঞ্জীর গুঞ্জরি  
 স্বলদঞ্চলা চলচঞ্চলা ? অয়ি মঞ্জুলা মুঞ্জরী !  
 রোষারুণরাগরঞ্জিতা ! বঙ্কিম-ভুরু-ভঞ্জিতা !  
 গোপনহাস্ত-কুটিল-আস্ত্র কপটকলহগঞ্জিতা !  
 সঙ্কোচনত অঙ্গিনী ! ভয়ভঙ্গুরভঙ্গিনী !  
 চকিত চপল নবকুরঙ্গ যৌবনবনরঙ্গিনী !  
 অয়ি খলছলগুণ্ঠিতা ! মধুকরভরকুণ্ঠিতা  
 লুপ্তপবন -স্কন্ধ-লোভন মল্লিকা অবলুণ্ঠিতা !  
 চূষনধনবধিনী ছুরুহর্গর্বমধিনী !  
 রুদ্ধকোরক -সঞ্চিত-মধু কঠিনকনককঞ্জিনী ॥

II	পা	সাঁ	গা		-১	ধা	পা	I	মা	-১	জা		রা	-১	-১	I
	য	নো	য		ন্	দি	র		সু	ন্	দ		রী	•	•	
I	সা	সা	রা		-১	রা	গা	I	মা	-পা	পা		পা	-১	-১	I
	য	নি	য		ন্	জী	র		ও	ন্	জ		রি	•	•	
I	মা	গা	মা		-ধা	ধা	ধা	I	গা	সাঁ	গা		-১	ধা	পা	I
	অ	ল	দ		ন্	চ	লা		চ	ল	চ		ন্	চ	লা	
I	ধা	পা	মগা		-১	মা	মা	I	গমা	-পদা	দা		পা	-১	-১	II
	অ	রি	য		ন্	জু	লা		মু•	•ন্	জ		রী	•	•	
II	পা	পা	পা		পা	পা	ধা	I	না	-১	না		সাঁ	-১	-১	I
	রো	যা	ক		ণ	রা	গ		র	ন্	জি		তা	•	•	
I	না	-সাঁ	রী		জা	রী	সাঁ	I	সাঁ	-রী	সাঁ		গধা	-পা	-১	I
	ব	ও	কি		য	জু	ক		ভ	ন্	জি		তা•	•	•	

I পা সী না | সী -১ সী I সী রী সী | না -১ নধা I  
গো প ন হা স্ স ক্ টি ল আ স্ স•

I প্, ধা পা | মা গা মা I গমা -পদা দা | পা -১ -১ I  
ক প ট ক ল হ গ• •স্ জি তা • •

I পা -১ পা | পা পা ধা I না -১ না | সী -১ -১ I  
স ঙ্ কো চ ন ত অ ঙ্ গি নী • •

I না সী রী | -জী রী সী I সী -রী সী | নধা -পা -১ I  
ভ র় ভ ঙ্ ও র় ত ঙ্ গি নী• • •

I পা সী না | সী সী রী I গা সী গা | ধা -১ পা I  
চ কি ত চ প ল ন ব ক্ র ঙ্ গ

I পা -ধা পা | মা গা মা I গমা -পদা দা | পা -১ -১ I  
ষো উ ব ন ব ন র• • ঙ্ গি নী • •

I পা পা পা | পা পা ধা I না -১ না | সী -১ -১ I  
অ য়ি খ ল চ ল ও ৭্ ঠি তা • •

I না সী রী | জী রী সী I সী -রী সী | নধা -পা -১ I  
ম ধু ক র় ভ র় ক্ ৭্ ঠি তা• • •

I পা -সী না | সী সী রী I গা -সী গা | ধা পা পা I  
সু ব্ ধ প ন ন ক্ ব্ ধ লো ভ ন

I পা -ধা পা | মা গা মা I গমা -পদা দা | পা -১ -১ I  
ম ল্ লি কা অ ব লু• • ৭্ ঠি তা • •

I পা -১ পা | পা পা ধা I না -১ না | সা -১ -১ I  
হু ম্ ব ন ধ ন ব ম্ চি নী • •

I না সা রা | রা -জা রা I সা -রা সা | বধা -পা -১ I  
হু ক হ গ ম্ ব ম ম্ চি নী• • •

I পা -সা না | সা সা রা I পা -সা পা | ধা পা পা I  
ক দ্ ধ কো ব ক স ন্ চি ত ম ধু

I পা ধা পা | মা গা মা I গমা -পদা দা | পা -১ -১ II II  
ক ঠি ন ক ন ক ক• • ম্ জি নী • •



অভয় দাও তো বলি আমার  
wish কী—

একটি ছটাক সোডার জলে  
পাকী তিন পোয়া ছইন্দি ॥

II গা	মা	পা	দা	পা	পদনা	দগদা	পদপা	-মা	-ৱ	মগা	-মপা
অ	ভয়্	দাও	তো	ব	লি..	আ..	মা..	•	য়	উই	••
।											
-দপা	-মপা	মগা	-ৱ	সাঁ	না	সাঁ	সাঁ	না	সঁখাঁ	সাঁ	-না
••	•স্	কী•	•	এক্	টি	ছ	টাক্	সো	ডায়	জ	•
সঁখাঁ	-সঁনা	না	খাঁ	সাঁ	সাঁ	সাঁ	না	সঁখাঁ	-সাঁ	নদা	-পা II II
লে•	••	পা	কী	তিন্	পো	য়া	হ	ই•	স্	কী•	•

কত কাল রবে বল' ভারত রে,  
 শুধু ডাল ভাত জল পথ্য ক'রে।  
 দেশে অন্নজলের হল ঘোর অনটন—  
 ধর' ছইক্ষি-সোডা আর মুর্গি-মটন।  
 যাও ঠাকুর চৈতন-চুটকি নিয়া—  
 এস' দাড়ি নাড়ি কলিমদি মিঞা ॥

রা গা II { সর। -সা সা মা | গা -১ রা গা | মা -১ পা পা | পা -১ মা গা I  
 ক ত কা • • ল র বে • ব ল' ভা • র ত রে • শু ধু

I মা -১ পা পা | -১ ধা সা গা | ধা -১ পা মা | গা -১ (রা গা) } I  
 ডা • ল ভা • ত জ ল প থ্ থ কো রে • ক ত

{ মা গা I মা -ধা ধা ধা | ধা -১ ধা গা | ধা -সা গা ধা | পা -১ মা গা I  
 দে শে অ ন্ ন জ লে রু হ ল যো রু অ ন ট ন্ ধ র'

I মা -১ পা পা | পা -ধা সা -গা | ধা -১ পা মা | গা -১ } রা গা II  
 ছই স্ কি সো ডা • আ রু যু রু গি ম ট ন্ "ক ত"

মা -গা II মা -ধা ধা ধা | ধা -১ ধা গা | ধা -সা গা ধা | পা -১ মা গা I  
 যা ও ঠা • কু র চ ই ত ন চু ট কি নি রা • এ সো

I মা -১ পা পা | -১ ধা সা গা | ধা -১ পা মা | গা -১ রা গা II II  
 দা • ডি না • ডি ক লি ম দ্ দি মি ঞা • "ক ত"

কী জানি কী ভেবেছ মনে  
 খুলে বলো ললনে ।  
 কী কথা হয় ভেসে যায়  
 ওই ছলোছলো ছুটি নয়নে ॥

II {	সা	সগা	গা	গা	-১	-১	গা	গা	-মপা	-মগরা	-১	গা
	কী	জা•	নি	কী	•	•	ভে	বে	••	•••	•	ছ
	-১	-১:	ম:	পা	-১	-১	-১	-১	( মা	মা	মা	গা
	•	•	ম	নে	•	•	•	•	খু	লে	ব	লো
	-মগরা	-১	রা	গা	গা	-মপা	-ধপা	-মগা	-মপা	-মগা	-রসা	-১ ) }
	•••	•	ল	ল	নে	••	••	••	••	••	••	•
	না	না	না	না	-১	-১	না	সনা	-ধনা	-সরা	-গরা	-সনা
	কী	ক	খা	হা	•	য়্	ভে	সে•	••	••	••	••
	ধা	-পা	-১	-১	গা	-মা	পা	সী	না	সী	ধসী	-পা
	যা	•	•	য়্	ও	ই	ছ	লো	ছ	লো	ছ•	•
	ধপা	-মগা	গা	মা	গা	-মপা	-ধধা	-পমা	-গা	-মপা	-মগা	-রসা II II
	টি•	••	ন	র	নে	••	••	••	•	••	••	••

চলেছে ছুটিয়া পলাতকা হিয়া, বেগে বহে শিরাধমনী ।  
 হায় হায় হায়, ধরিবারে তায় পিছে পিছে ধায় রমণী ॥  
 বায়ুবেগভরে উড়ে অঞ্চল, লটপট বেণী ছলে চঞ্চল —  
 একি রে রঙ্গ ! আকুল-অঙ্গ ছুটে কুরঙ্গগমনী ॥

II {	ধা	ণা	পা	মা	মা	মা	মা	পা	পা	মপা	-ধপা	-মজ্ঞা
	চ	লে	ছে	ছু	টি	য়া	প	লা	ত	কা	••	••
	জ্ঞা	জ্ঞা	-১	মা	মা	মা	ধণা	ধা	ণা	পা	সনা	সা
	হি	য়া	•	বে	গে	ব	হে	শি	রা	ধ	ম	নী
	-১	-১ ( -গধা )	-১	না	না	-সা	সা	সা	-না	সর্সা	র্সা	র্সার্জ
	••	••	•	হায়্	তা	য়্	হায়্	ধ	•	রি	বা	রে
	সা	-১	-১	না	সর্সা	সর্সসা	ণা	ধণা	-পা	পা	সনা	সা
	তা	•	য়্	পি	ছে	পি	ছে	ধা	য়্	র	ম	নী
	-১	-১	-গধা II									
	•	•	••									
II	মা	ণা	ধা	ধা	ধা	না	না	সা	সা	-১	সা	সা
	বা	য়ু	বে	গ	ভ	য়ে	উ	ড়ে	অ	ম্	চ	ল
	সনা	সা	র্সা	র্সর্জা	র্সা	সা	না	নসর্সা	সর্সসা	-ণা	ধা	পধা
	ল	ট	ণ	ট	বে	নী	হ	লে	চ	ম্	চ	ল
	সা	র্গা	র্গা	র্গা	-১	র্গা	র্গা	র্মা	র্গর্গর্গা	সা	-না	সা
	এ	কি	য়ে	য়	উ	গ	আ	কু	ল	অ	উ	গ
	না	সা	র্সা	র্সর্জা	সা	-১	না	সর্সা	সর্সসা	-১	-১	-গধা II II
	হু	টে	কু	য়ক্	গ	•	গ	য়	নী	•	•	••

দেখব কে তোর কাছে আসে—  
তুই রবি একেশ্বরী,  
একলা আমি রইব পাশে ॥

II { গপা মগা -রসা | -১ সা রা I গা গা -১ | মা পা -১ } I  
দেখ্ ব• •• • কে তোর কা ছে • আ সে •

I { পা -সাঁ -১ | সাঁ সাঁ -১ I সাঁ সাঁ -১ | সাঁ নসাঁ -নধা I  
তু ই • র বি • এ কে শ্ শ রী• ••

I ধা -১ ধনা | -সঁরা সাঁ না I ধা -১ পা | মা পা -১ } II II  
এ ক্ লা• •• আ মি র ই ব পা শে •

পাছে চেয়ে বসে আমার মন,  
আমি তাই ভয়ে ভয়ে থাকি।  
পাছে চোখে চোখে পড়ে বাঁধা,  
আমি তাই তো তুলি নে আঁখি॥

[ গা -পা -১ -১ ]

রা	রজা II	সা	রা	রা	মজা	-১	মা	-পা	মা	পা	-১	রা	রজা
পা	হে°	চে	য়ে	ব	সে°	•	আ	•	মাবু	ম	নু	পা	হে°

সা	রা	রা	মজা	-১	মা	-পা	মা	পা	-১	গা	মা
চে	য়ে	ব	সে°	•	আ	•	মাবু	ম	নু	আ	মি

পা	-সাঁ	গধা	পা	মা	পা	-মপা	-ধপা	-মপা	-মজরা	রা	রজা
তা	ই	ভ°	য়ে	ভ	য়ে	••	••	••	••••	থা	কি°

-সা	-১	রা	রজা	সা	রা	রা	মজা	-১	মা	-পা	মা
•	•	পা	হে°	চে	য়ে	ব	সে°	•	আ	•	মাবু

পা	-১	গা	মা	পা	না	না	সাঁ	ধসাঁ	গা	-ধপা	-পধা
ম	নু	পা	হে	চো	খে	চো	খে	প°	ড়ে	••	••

-নসাঁ	না	সাঁ	-১	-১	-১	গা	মা	পা	-সাঁ	গধপা	-১
••	বাঁ	ধা	•	•	•	আ	মি	তা	ই	তো••	•

দা	দা	মপা	-ধপা	-মপা	-মজরা	রা	রজা	-সা	-১	রা	রজা II [ ] II
তু	লি	নে°	••	••	••••	আঁ	খি°	•	•	"পা হে°"	

বড়ো থাকি কাছাকাছি,  
তাই ভয়ে ভয়ে আছি।  
নয়ন বচন কোথায় কখন  
বাজিলে বাঁচি না-বাঁচি ॥

II	গা	মা	পা	দা	পা	পর্মা	-নর্মনা	দপা	পা	-দা	-পমা	-১
	ব	ডো	ধা	কি	কা	হা•	•••	কা•	ছি	•	••	•
	গা	-মা	দপা	পা	মা	পা	মা	গা	-১	-১	না	র্মা
	তা	ই	ভ•	য়ে	ভ	য়ে	আ	ছি	•	•	ন	ব্
	র্মা	র্মা	না	র্মা	-দা	-র্মা	-১	না	র্মা	-১	র্মা	র্মা
	ব	চন্	কো	ধা	•	••	ব্	ক	খ	ব্	বা	জি
	র্মা	র্মা	না	র্মনা	দা	পা	-১	-১	II	II		
	লে	বাঁ	চি	না•	বাঁ	চি	•	•				

স্বর্গে তোমায় নিয়ে যাবে উড়িয়ে—  
 পিছে পিছে আমি চলব খুঁড়িয়ে ॥  
 ইচ্ছা হবে টিকির ডগা ধ'রে  
 বিষ্ণুদূতের মাথাটা দিই শুঁড়িয়ে ॥

II	সা	সা	গ্‌দা	গ্‌	সা	সা	সা	-মা	মা	জা	মা	জা
	স্ব	গে	তো•	মায়্	নি	য়ে	যা	•	বে	উ	ড়ি	য়ে
	-মজা	-মা	-সা	-১	মা	মা	মা	মজা	মা	দা	-মদা	-গর্সা
	••	•	•	•	পি	ছে	পি	ছে•	আ	মি	••	••
	র্সা	র্সা	-১	-১	গা	গা	দমা	-জা	-মজা	-মা	-সা	-১ II
	চন্	বো	•	•	খুঁ	ড়ি	য়ে•	•	••	•	•	•
II	জা	মা	গদা	দা	দা	দগা	দগা	র্সা	র্সা	র্সা	-১	-১
	ইচ্	ছা	হ•	বে	টি	কির	ড•	গা	ধ	য়ে	•	•
	গা	র্সা	গা	দা	দা	দা	দগা	গা	গা	গা	গা	-১
	বিষ্	গু	দু	তেষ্	মা	খা	টা	দিই	শুঁ	ড়ি	য়ে	•
	র্সা	র্মা	জর্মা	-জর্মা	-১	-১	-১	-১ II II				
	শুঁ	ড়ি	য়ে•	••	•	•	•	•				



এই গ্রন্থে আটশটি গানের স্বরলিপি সংকলন করা হইল। ইহার অধিকাংশ স্বরলিপি শ্রীঅনাদি-কুমার দত্তিদার -কৃত। তন্মধ্যে ২, ৫, ৭, ৮, ১০, ১১, ১৩-১৫, ১৯, ২০ ও ২১-২৮-সংখ্যক গানের স্বরলিপি পাণ্ডুলিপি হইতে, ৪ ও ১৬-সংখ্যক গানের স্বরলিপি যথাক্রমে সঙ্গীতবিজ্ঞান-প্রবেশিকা পত্রিকার ১৩৩৮ পৌষ সংখ্যা ও ১৩৪৩ আষাঢ় সংখ্যা হইতে এবং ৯-সংখ্যক গানের স্বরলিপি বিশ্বভারতী পত্রিকার ১৩৬৪ কার্তিক-পৌষ সংখ্যা হইতে সংকলিত। চিরকুমারসভা নাটকের অন্তর্গত ২১-২৮-সংখ্যক গানের সুর-সংগ্রহে শ্রীহরিদাস মুখোপাধ্যায়ের সহযোগিতা পাওয়া গিয়াছে।

দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -কৃত ১-সংখ্যক গানের স্বরলিপি পাণ্ডুলিপি হইতে সংকলিত। রমা দেবী -কৃত ৬-সংখ্যক গানের স্বরলিপি সঙ্গীতবিজ্ঞান-প্রবেশিকা পত্রিকার ১৩৩৬ পৌষ সংখ্যা হইতে সংকলিত। বামন শিরোদকর -কৃত ১৮-সংখ্যক গানের স্বরলিপি পাণ্ডুলিপি হইতে সংকলিত। শ্রীশান্তিদেব ঘোষ -কৃত ৩-সংখ্যক গানের স্বরলিপি সঙ্গীতবিজ্ঞান-প্রবেশিকা পত্রিকার ১৩৪৩ কার্তিক সংখ্যা হইতে গৃহীত। শ্রীসুধীরচন্দ্র কর -কৃত ১৭-সংখ্যক গানের স্বরলিপি প্রবাসী ১৩৪৭ কার্তিক সংখ্যা হইতে গৃহীত। ১২-সংখ্যক গানের সুর শ্রীজীবনময় রায়ের সৌজন্যে প্রাপ্ত, স্বরলিপি শ্রীপ্রফুল্লকুমার দাস -কৃত। ১৯, ২১, ২৩, ২৪ ও ২৬-২৮-সংখ্যক গানের গীতরীতি সম্পর্কে বিশেষ অবহিত হওয়া আবশ্যক।

এই গ্রন্থের অন্তর্ভুক্ত গান ও স্বরলিপি সম্পর্কে এ যাবৎ সংগৃহীত তথ্যাদি এবং উহাদের পাঠভেদ ও রচনাকাল-প্রকাশকাল বর্তমান সংস্করণে সন্নিবিষ্ট হইল। উল্লিখিত তথ্যাদি সংগ্রহ ও সংকলন করিয়াছেন শ্রীপ্রফুল্লকুমার দাস।

আশ্বিন ১৩৭৭



## পাঠভেদ

### ৬. নয়ন ছেড়ে গেলে চলে

ভূমি হারাও না যে

: স্বরলিপি, সঙ্গীতবিজ্ঞান-প্রবেশিকা  
পত্রিকা, পৌষ ১৩৩৬

ভবু হারাও না যে

: গীতবিতান ( শ্রাবণ ১৩৩৯ )

ভবু চির সাথের সাথি

ফুরায় না তো তোমার পাওয়া এস স্বপন-সাজে

: স্বরলিপি, সঙ্গীতবিজ্ঞান-প্রবেশিকা  
পত্রিকা, পৌষ ১৩৩৬

ভবু নিত্য সাথের সাথী

লাগে তোমার পাওয়ার হাওয়া, এস স্বপন সাজে

: গীতবিতান ( শ্রাবণ ১৩৩৯ )

গহনপথে এসে ব্যথারে মোর মধুর করি

: স্বরলিপি, সঙ্গীতবিজ্ঞান-প্রবেশিকা  
পত্রিকা, পৌষ ১৩৩৬

মর্ষপথে এসে ব্যথারে মোর উছল করি

: গীতবিতান ( শ্রাবণ ১৩৩৯ )

তোমার বীণা থেকে বিদায় নিল

: স্বরলিপি, সঙ্গীতবিজ্ঞান-প্রবেশিকা  
পত্রিকা, পৌষ ১৩৩৬

বীণা থেকে বিদায় নিয়ে

: গীতবিতান ( শ্রাবণ ১৩৩৯ )

### ৮. কমলবনের মধুপরাঙ্গি

বাজিয়া উঠিছে রাগিনী

: স্বরলিপি, স্বরবিতান-৫৬

বাজিয়া উঠেছে রাগিনী

: গীতবিতান ( আশ্বিন ১৩৩৮ )

### ৯. ভূমি খুশি থাক

আমার পানে চেয়ে চেয়ে

: স্বরলিপি, স্বরবিতান-৫৬

আমায় চেয়ে

: গীতবিতান ( শ্রাবণ ১৩৩৯ )

সুরে সুরে বুকে বাজে

: স্বরলিপি, স্বরবিতান-৫৬

সুরের নাচে বুকে বাজে

: গীতবিতান ( শ্রাবণ ১৩৩৯ )

সেই আনন্দ নাচায় ছন্দ বিশ্বভুবন

: স্বরলিপি, স্বরবিতান-৫৬

পুলকে তার ঝলক লাগে সকল ভুবন

: গীতবিতান ( শ্রাবণ ১৩৩৯ )

১২. তোরা যে যা বলিস ভাই

মনোহরণ চপলচরণ...

সে-যে নাগাল পেলো...

আমি ছুটব পিছে...

যারে যার না পাওয়া...

আমার যা ছিল তা গেল ঘুচে যা নেই

তার কোঁকে...

মরি তারি শোকে ?

আমি আছি স্মৃতি হস্তমুখে...

: স্বরলিপি, স্বরবিতান-৫৬

সেই মনোহরণ চপলচরণ...

তা'র নাগাল পেলো...

তবু ছুটব পিছে...

যাহা যায় না পাওয়া...

আমার যা ছিল তা দিলেম কোথা

যা নেই তারি কোঁকে...

মরি তাহার শোকে ।

ওরে আছি স্মৃতি হস্তমুখে...

: গীতবিতান ( আশ্বিন ১৩৩৮ )

১৯. ভালোবেসে, সখী, নিভুতে যতনে

তাহার তালটি লিখো

তাহারি তালটি লিখো

: স্বরলিপি, স্বরবিতান-৫৬

: গীতবিতান ( আশ্বিন ১৩৩৮ )

২০. মনোমন্দিরসুন্দরী

অয়ি মঞ্জুলা মুঞ্জরী

অয়ি মঞ্জুলা মঞ্জরী

: স্বরলিপি, স্বরবিতান-৫৬

: গীতবিতান ( আশ্বিন ১৩৩৮ )

রচনাকাল/প্রকাশকাল

গান	রচনা		প্রকাশ	পূর্বতন ব্যয়সিপি	
	তারিখ/স্থান	তারিখ-প্রাপ্তিস্থান		প্রকাশ	ব্যয়সিপিকার
অভয় দাঁও ভোঁ বলি			চিরকুমার সভা		
আনন্দগান উঠুক তবে	২২ পৌষ [১৩২১]	পাণ্ডুলিপি	বলাকা		
আমি তারেই জানি	রেলগাড়িতে		চণ্ডালিকা		
এখনো কেন সময় নাহি				স-বি-প্র ৭।১৩৪৩	শ্রীশান্তিদেব ঘোষ
এবার বুঝি ভোলার বেলা	২১ ফেব্রুয়ারি ১৯৩০	পাণ্ডুলিপি			
এসো এসো ওগো শ্রামছাত্রাঘন	১৮ ভাদ্র ১৩৪৭	পাণ্ডুলিপি		প্রবাসী ৭।১৩৪৭	সুধীরচন্দ্র কর
ওগো জলের রানী	ফাল্গুন ১৩৩২	পাণ্ডুলিপি		ভারতী ৭-৯।১৩৩২	
ওগো, তোমার চক্ষু দিয়ে			চণ্ডালিকা		
কত কাল হবে বল			চিরকুমার সভা		
কমলবনের মধুপরাজি					
কী জানি কী ভেবেছ			চিরকুমার সভা		
চলেছে ছুটিয়া পলাতকা			চিরকুমার সভা		
ভূমি খুশি থাক				বিশ্বভারতী পত্রিকা ৭-৯।১৩৬৪	অনাদিকুমার দত্তিদার
তোরা যে যা বলিস ভাই			রাজা		
দিনের বেলায় বাঁশি	৩০ অক্টোবর ১৯২৬ বুডাপেস্ট	পাণ্ডুলিপি		স-বি-প্র ৯।১৩৩৮	অনাদিকুমার দত্তিদার
দেখব কে তোর কাছে আসে			চিরকুমার সভা		
নয়ন ছেড়ে গেলে চলে	২২ কার্তিক ১৩৩৪ শান্তিনিকেতন	পাণ্ডুলিপি		স-বি-প্র ৯।১৩৩৬	রমা কর

গান	রচনা		প্রকাশ	পূর্বতন বরলিপি	
	তারিখ/স্থান	তারিখ-প্রাপ্তিস্থান		প্রকাশ	বরলিপিকার
পথের শেষ কোথায়			চণ্ডালিকা		
পাছে চেয়ে বসে আমার মন			চিরকুমার সভা		
বড়ো থাকি কাছাকাছি			চিরকুমার সভা		
বার্ষ প্রাণের আবর্জনা			বাঁশরি		
ভালোবেসে, সখী, নিভুতে	৮ আশ্বিন [১৩০৪] সাহাজাদপুর	কল্লনা	কল্লনা		
মনোমন্দিরহৃদয়ী			চিরকুমার সভা		
রাজরাজেন্দ্র জয়তু জয় হে			শারদোৎসব		
স্বর্গে তোমায় নিয়ে যাবে			চিরকুমার সভা		
স্বপনপারের ডাক শুনেছি	৯ বৈশাখ ১৩৩৫	পাণ্ডুলিপি		বিশ্বভারতী পত্রিকা ৪-৬।১৩৬৪ স-বি-প্র ৩।১৩৪৩	অনাদিকুমার দত্তিদার অনাদিকুমার দত্তিদার
হে আকাশবিহারী					
হে মহাত্মঃখ, হে কৃষ্ণ			চণ্ডালিকা		

স-বি-প্র = সঙ্গীতবিজ্ঞান-প্রবেশিকা পত্রিকা।


তালিকার উল্লিখিত গ্রন্থগুলির প্রকাশকাল :

চিরকুমার সভা : চৈত্র ১৩৩২। বলাকা : মে ১৯২৬। চণ্ডালিকা : ভাদ্র ১৩৪০। রাজা : পৌষ ১৩১৭

বাঁশরি : ১৩৪০। কল্লনা : বৈশাখ ১৩০৭। শারদোৎসব : ১৩১৫

অধিকতর হ্রস্বচিহ্ন ও অধুনা বিখ্যাত -অনুসৃত  
আকারমাত্রিক বরলিপি -পদ্ধতির সংক্ষিপ্ত ব্যাখ্যা

- ১ স র গ ম প ধ ন— সপ্তক । খাদ-সপ্তকের চিহ্ন স্বরের নীচে হসন্ত, যথা—  
প, ধ, এবং উচ্চ-সপ্তকের চিহ্ন স্বরের মাথায় রেফ, যথা— স, র ।
- ২ কোমল র— ঋ, কোমল গ— ঙ, কড়ি ম— ঞ, কোমল ধ— দ এবং  
কোমল ন— ণ ।
- ৩ ঋ<sup>১</sup> —অতিকোমল ঋষত । অতিকোমল ঋষতের স্থান স ও ঋ স্বরদ্বয়ের  
মধ্যবর্তী । ঙ<sup>১</sup>, দ<sup>১</sup>, ণ<sup>১</sup> —যথাক্রমে অতিকোমল গাঙ্গার, ধৈবত ও নিষাদ ।  
ঋ<sup>২</sup> — অণুকোমল ঋষত । অণুকোমল ঋষতের স্থান ঋ ও র স্বরদ্বয়ের  
মধ্যবর্তী । ঙ<sup>২</sup>, দ<sup>২</sup>, ণ<sup>২</sup> —যথাক্রমে অণুকোমল গাঙ্গার, ধৈবত ও নিষাদ ।
- ৪ একমাত্রা = । অর্ধমাত্রা = : । সিকিমাত্রা = • । দুইটি অর্ধমাত্রা, যথা—  
সরা । চারিটি সিকিমাত্রা, যথা— সরগমা । দুইটি সিকিমাত্রা, যথা— সরঃ ।  
একটি সিকিমাত্রা, যথা— স• । একটি অর্ধমাত্রা ও দুইটি সিকিমাত্রা মিলিয়া  
একমাত্রা, যথা— সঃ গরঃ । একটি দেড়মাত্রা ও একটি অর্ধমাত্রা মিলিয়া দুই  
মাত্রা, যথা— রাঃ গঃ ।
- ৫ কোনো আসল স্বরের পূর্বে যদি কোনো নিমেষকালস্থায়ী আনুষঙ্গিক স্বর  
একটু ছুঁইয়া যায় মাত্র, তাহা হইলে সেই স্বরটি ক্ষুদ্র অক্ষরে আসল স্বরের  
বাম পার্শ্বে লিখিত হয়, যথা— সর। গরা । আসল স্বরের পরে কখনো  
অন্য স্বরের ঈষৎ রেশ লাগে ; তখন ঐ স্বর ক্ষুদ্র অক্ষরে দক্ষিণ পার্শ্বে  
লিখিত হয়, যথা— রা।
- ৬ বিরামের চিহ্ন ও মাত্রাসমূহের চিহ্ন একই ; হাইফেন-বর্জিত হইলে এবং  
স্বরাক্ষরের গায়ে সংলগ্ন না থাকিলেই সেই মাত্রা, বিরামের মাত্রা বলিয়া  
বুঝিতে হইবে । সূরের ক্ষণিক স্তব্ধতাকে বিরাম বলে ।
- ৭ তাল-বিভাগের চিহ্ন এক-একটি দাঁড়ি । সমে ও সম্ হইতে তালের এক  
ফেরা হইয়া গেলে দাঁড়ির স্থলে I এরূপ একটি ‘দণ্ড’ চিহ্ন বসে । প্রায়  
প্রত্যেক কলির আরম্ভে দুইটি দণ্ড বসে । যেখানে গান একেবারে শেষ  
হয় সেখানে চারিটি দণ্ড বসে ।
- ৮ মাত্রাসমষ্টি ভিন্ন ভিন্ন ওচ্ছিন্ন বিভক্ত, প্রত্যেক ওচ্ছিন্ন প্রথম মাত্রার  
শিরোদেশে ১, ২, ৩, ৪, ৫, ইত্যাদি সংখ্যা বিভিন্ন তালার নির্দেশ করে ।  
শূন্য-চিহ্ন ( • ) কাক ও যে সংখ্যায় রেফ-চিহ্ন থাকে যেমন ( ১’ )  
তাহাতেই সম্ বুঝিতে হইবে ।
- ৯ আস্থায়ীতে প্রত্যাবর্তনের চিহ্নরূপ দুইটি করিয়া দণ্ড বসে । কোনো  
কলির শেষে II এই যুগল দণ্ড এবং সব-শেষে II II দুই জোড়া দণ্ড  
দেখিলেই আস্থায়ীর প্রথমে যেখানে যুগল দণ্ড আছে সেইখান হইতে  
আবার আরম্ভ করিবে ।

- ১০ আস্থায়ী আয়ত্তে, II এই যুগল দণ্ডের বাহিরে গানের অংশ গান ধরিবার সময় একবার মাত্র গাহিবে ; কারণ প্রত্যেক কলির শেষে এই অংশটুকু “ ” এরূপ উদ্ধৃতি-চিহ্নের মধ্যে পুনঃপুনঃ লিখিত হইয়া থাকে ।
- ১১ অবসানের চিহ্ন, শিরোদেশে যুগল দাঁড়ি, যথা— সা । হয় এইখানে একেবারে থামিবে ; নয় এইখানে থামিয়া গানের অন্য কলি ধরিবে ।
- ১২ পুনরাবৃত্তির চিহ্ন { } এই গুণ্ণবন্ধনী ; এবং পুনরাবৃত্তিকালে কতকগুলি স্বর বাদ দিয়া যাইবার চিহ্ন ( ) এই বক্র বন্ধনী, যথা— { সা রা ( গা মা ) } । মা পা ।
- ১৩ পুনরাবৃত্তিকালে কোনো সুরের পরিবর্তন হইলে, শিরোদেশে [ ] এই সরল বন্ধনীচিহ্নের মধ্যে পরিবর্তিত স্বরগুলি স্থাপিত হয় ; যথা— { সা রা গা } । কলির শেষে যুগল দণ্ডের মধ্যে ও সব-শেষে দুই প্রস্থ যুগল দণ্ডের মধ্যে [ ] এই সরল বন্ধনী থাকিলে, যথা— I [ ] I, II [ ] II, আস্থায়ীতে ফিরিয়া পরিবর্তিত সুর গাহিতে হয় ।
- ১৪ কোনো এক স্বর যখন আর-এক স্বরে বিশেষরূপে গড়াইয়া যায়, তখন স্বরের নীচে  এইরূপ মীড়-চিহ্ন থাকে, যথা— গা-পা ।
- ১৫ যখন স্বরের নীচে গানের অক্ষর না থাকে, তখন সেই স্বর বা স্বরগুলির বাম পার্শ্বে হাইফেন ( - ) বসে এবং গানের পংক্তিতে শূন্য ( ০ ) দেওয়া হয় ; যথা— সা -া -া -া । অথবা— সা -রা -গা -মা । একই স্বর পৃথক  
মা • • •                      মা • • •
- কোনো উচ্চারিত হইলে সেই স্বরের বাম পার্শ্বেও হাইফেন বসে ;  
যথা— সা -সা -রা -রা । অথবা— সা -সা -রা -রা ।  
মা • • •                      গা • • ন্
- ১৬ নীচে গানের অক্ষর স্বরান্ত না হইলে উপরে স্বরের বাম পার্শ্বে হাইফেন ( - ) বসে ; যথা— সা -রা -গা -মা । সা -া -া -া ।  
গা • • ন্                      গা • • ন্

**উচ্চারণ ।** স্বরলিপির ভিতরে প্রায় সব কথার বানান যথাসাধ্য উচ্চারণ-অনুযায়ী বিশ্লেষ করিয়া দেখাইতে যত্ন করা হইয়াছে । —এ এবং —আ, যেরূপ বেদনা ও বেলা শব্দের প্রথম ব্যঞ্জনাক্রান্ত একাধের মূর্ত্তনে ইঙ্গিত করা হইয়াছে । তাহা ছাড়া ‘অবেলায়’ বিশ্লেষিত হইলে ছাপা হয়— অ বে লা য় । ‘মনে’— ম নে ।

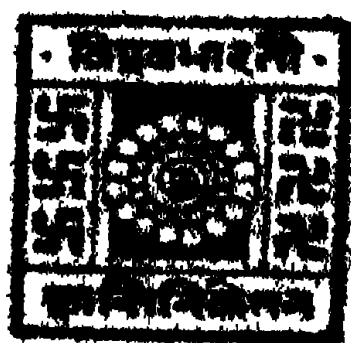








# স্বরবিতান ৫৬



মূল্য ১২.০০ টাকা

